सांध्य दैनिक

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534

डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./दुर्ग/1000000029/2026-28

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 17 अंक - 209 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, बुधवार 13 मई 2026 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

गृह निर्माण मंडल का नया लोगो बनाओ, 2.5 लाख पाओ

रायपुर। छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल का नाम अब छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल कर दिया है। 24 अप्रैल 2026 को यह अधिनियम छत्तीसगढ़ राजपत्र में प्रकाशित किया गया। इसके लिए नया लोगो डिजाइन किया जाना है। लोगो डिजाईन प्रतियोगिता में कोई भी व्यक्ति, कलाकार, संस्था, सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर, छात्र एवं अप्रवासी भारतीय भी भाग ले सकते है। लोगो डिजाइन कर ई-मेल (ceocghb@yahoo.com) पर भेज सकते हैं। प्रविष्टि के साथ नाम, पता एवं आधार कार्ड नंबर देना होगा। प्रविष्टि भेजने की अंतिम तिथि 20 मई 2026 शाम 5 बजे तक है। प्रतियोगिता में चयनित सर्वश्रेष्ठ लोगो के विजेता को 2 लाख 50 हजार रुपये की पुरस्कार राशि प्रदान की जाएगी। अधिक जानकारी के लिए मंडल की आधिकारिक वेबसाइट www.cghb.gov.in देखें।

तमिलनाडु में विजय सरकार ने फ्लोर टेस्ट किया पास

चेन्नई। तमिलनाडु विधानसभा में विजय थलापती सरकार ने बुधवार को फ्लोर टेस्ट पास कर लिया। सदन में कुल 171 विधायक मौजूद रहे। टीवीके के समर्थन में 144 वोट पड़े, जो फ्लोर बहुमत से 58 ज्यादा रहे। इनमें 47 विधायकों वाली एआईएडीएमके के 25 बागी विधायकों के भी वोट शामिल हैं। विश्वास प्रस्ताव के विरोध में 22 वोट पड़े। 59 विधायकों वाली डीएमके ने सदन से वॉकआउट कर दिया। इस दौरान 5 विधायक (पीएमके 4 और भाजपा 1) गैरमौजूद रहे। स्पीकर ने वोट नहीं डाला।

नीट यूजी 2026 परीक्षा का मामला पहुंची सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। नीट यूजी 2026 का मामला अब सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है। परीक्षा रद्द मामले में फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया मेडिकल एसोसिएशन (फेमा) ने बुधवार को सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की। इसमें सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में दोबारा परीक्षा कराने की मांग की। फेमा ने कहा है कि नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीई) की कार्यप्रणाली से अब भरोसा उठ चुका है। इसलिए मौजूदा गवर्निंग बॉडी का पुर्नगठन किया जाना चाहिए। सीबीआई टीम ने से आरोपी शुभम खैरनार को कस्टडी में लिया। हरियाणा के गुरुग्राम से भी बीएएमएस फर्स्ट ईयर के छात्र को राजस्थान पुलिस ने हिरासत में लिया है। 12 मई को पेपर लीक के बाद नीट परीक्षा रद्द कर दी गई है। एनटीए ने माना कि गड़बड़ी हुई है। एग्जाम 3 मई को हुआ था, जिसमें 22.79 लाख स्टूडेंट्स शामिल हुए थे।

किश्तवाड़ में आतंकी को पनाह देने वाला शिक्षक गिरफ्तार

किश्तवाड़/पुंछ। जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ जिले में सुरक्षा एजेंसियों ने सरकारी स्कूल के एक शिक्षक समेत दो लोगों को गिरफ्तार किया है। दोनों पर जैश-ए-मोहम्मद के आतंकियों को पनाह, खाना और दूसरी मदद देने का आरोप है। गिरफ्तार शिक्षक की पहचान मशकूर अहमद के रूप में हुई है। वह इंदरवाल के एक सरकारी स्कूल में तैनात है। उसके खिलाफ यूएपीए के तहत मामला दर्ज किया गया है। वह चटरू इलाके में आतंकियों को लॉजिस्टिक सपोर्ट देता था।

सीवरेज पाइप के लिए खोद रहे थे ट्रेंच, मिट्टी धंसी, एक महिला सहित तीन मजदूरों की मौत

श्रीकंचनपथ समाचार

बालोद। छत्तीसगढ़ के बालोद जिले में एक दर्दनाक हादसे ने पूरे इलाके को हिला दिया। दल्लीराजहरा थाना क्षेत्र के फुटबॉल ग्राउंड के पास सीवरेज पाइपलाइन विस्तार कार्य चल रहा था। तभी अचानक मिट्टी भरभराकर नीचे गिर गई। नीचे गड्ढे मजदूर काम कर रहे थे। तीन मजदूरों की घटना स्थल पर ही मौत हो गई। इनमें से एक महिला श्रमिक थी। घटना के बाद चीख-पुकार मच गई।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक मजदूर गहरी नाली के भीतर पाइपलाइन फिटिंग का काम कर रहे थे। दोपहर का वक्त था। गर्मी तेज थी, लेकिन काम जारी था। तभी मिट्टी का बड़ा हिस्सा धंस गया। वहां मौजूद लोगों ने पहले हाथों से मिट्टी हटानी शुरू की।

बाद में पुलिस और बचाव दल मौके पर पहुंचे। नीचे मजदूरों के होने के कारण दिक्कतें आ रही थीं। किसी तरह मलबा हटाकर नीचे से मजदूरों को निकाला गया।

स्थानीय लोगों का कहना है कि हादसे के बाद पूरा इलाका सन्न रह गया। धूल का गुबार उठा और आसपास खड़े लोग भागने लगे। एक दुकानदार ने बताया कि आवाज इतनी तेज थी कि लगा जैसे जमीन फट गई हो। मौके पर महिलाओं की चीखें सुनाई दे रही थीं।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार सुरक्षा मानकों को लेकर लापरवाही बरती जा रही थी। जिस जगह खुदाई हो रही थी वहां मिट्टी रोकने के पर्याप्त इंतजाम थे या नहीं, इसकी जांच की जा रही है। प्रशासन ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय ने नियमों में किया महत्वपूर्ण बदलाव

आपराधिक मामलों के फैसले में अब गवाहों और सबूतों की लिस्ट भी करनी होगी नस्ती

श्रीकंचनपथ समाचार

बिलासपुर। प्रदेश की अदालतों में अब आपराधिक मामलों के फैसले पढ़ना और समझना आसान हो जाएगा। हाई कोर्ट ने छत्तीसगढ़ नियम एवं आदेश (आपराधिक) में बड़ा बदलाव किया है। अब हर फैसले के आखिर में एक इंडेक्स या चार्ट जोड़ना अनिवार्य होगा, इसमें गवाहों, दस्तावेजों और सामानों की पूरी जानकारी होगी।

हाई कोर्ट ने सुप्रीम कोर्ट के एक मामले में दिए गए आदेश के पालन में छत्तीसगढ़ नियम एवं आदेश (आपराधिक) में बड़ा बदलाव किया है। हाई कोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल रजनीश श्रीवास्तव के हस्ताक्षर से इस संबंध में अधिसूचना जारी कर दी गई है।

नए निर्देशों के अनुसार अब अदालतों के जजों को हर फैसले के अंत में तीन तरह की लिस्ट देनी होंगी। पहली लिस्ट गवाहों की होगी, इसमें गवाह के नाम के साथ उल्लेख करना होगा कि वह केस में किस तरह का गवाह है।

दूसरी लिस्ट में कोर्ट में पेश किए गए एफआईआर, पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट और अन्य दस्तावेजों का नंबर और उन्हें साबित करने वाले व्यक्ति का नाम देना होगा। वहीं तीसरी लिस्ट में वारदात में इस्तेमाल हथियार, मोबाइल, वाहन या कपड़े जैसे भौतिक सबूतों की जानकारी देनी होगी। यह नई व्यवस्था तत्काल प्रभाव से प्रदेश की सभी निचली अदालतों में लागू कर दी गई है।

क्यों किया गया बदलाव

इस बदलाव से संबंधित मामले की पूरी तस्वीर एक नजर में साफ हो जाएगी। ऊपर की अदालतों को रिकॉर्ड और सबूत खोजने में मशक्कत नहीं करनी पड़ेगी। वहीं, आम लोगों के लिए कोर्ट के उलझे हुए फैसलों को समझना आसान होगा। किसी केस में गवाहों या दस्तावेजों की संख्या बहुत ज्यादा है, तो जज केवल मुख्य और जरूरी गवाहों की सूची तैयार कर सकेंगे। यह नियम बचाव पक्ष के सबूतों पर भी उसी तरह लागू होगा।

कुम्हारी गैस सिलिंडर हादसे के पीड़ितों को 9-9 लाख सहायता राशि की घोषणा

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। दुर्ग जिले के कुम्हारी थाना क्षेत्र में शॉर्ट सर्किट और सिलेंडर विस्फोट से एक ही परिवार के चार सदस्यों की दर्दनाक मौत पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने गहरा शोक व्यक्त किया है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि यह घटना अत्यंत हृदयविदारक है। इससे मन अत्यंत व्यथित है। उन्होंने शोकाकुल परिजनों के प्रति गहरी संवेदनाएं व्यक्त कीं और दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस कठिन समय में राज्य सरकार पूरी संवेदनशीलता के साथ प्रभावित परिवार के साथ खड़ी है। उन्होंने अधिकारियों को परिजनों को हर संभव मदद उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने मृतकों के परिजनों को 5-5 लाख रुपये की विशेष सहायता राशि देने की घोषणा की है। यह राशि शासन के नियमानुसार दी जाने वाली 4-4 लाख रुपये की सहायता के अतिरिक्त होगी।

मुख्यमंत्री ने जिला प्रशासन को परिजनों के ठहरने, भोजन और अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने तथा घटना के कारणों की विस्तृत जांच कराने के निर्देश दिए हैं।

उल्लेखनीय है कि बिजली के खंभे में शॉर्ट सर्किट से लगी आग की चपेट में आने से एक ही परिवार के 4 लोग जिंदा जल गए। मृतकों में पिता, दो बहनें और एक डेढ़ साल की बच्ची शामिल है। यह परिवार मजदूरी कर अपना गुजारा चलाता था। मृतकों में अनिल वैष्णव (45), लक्ष्मी वैष्णव (20), चांदनी वैष्णव (18) तथा गोपिका वैष्णव (18 माह) शामिल हैं।

हादसे के दौरान आग किचन तक पहुंच गई, जिससे गैस सिलेंडर फट गया और धमाका इतना तेज था कि किसी को बाहर निकलने का मौका नहीं मिला। मामले की उच्च स्तरीय जांच के आदेश दिये गये हैं।

अबूझमाड़ में नक्सलियों के खजाने तक जा पहुंची पुलिस

श्रीकंचनपथ समाचार

नारायणपुर। बड़ी संख्या में नक्सलियों के हथियारों सहित आत्मसमर्पण करने के बाद भी पुलिस अब तक उसके खजाने तक नहीं पहुंच पाई थी। खुफिया जानकारी के आधार पर पुलिस ने सर्च ऑपरेशन चलाया और लगभग एक करोड़ रुपए नगद के साथ ही असलहा भी बरामद कर लिया।

नारायणपुर के पुलिस अधीक्षक रॉबिन्सन गुरिया ने बताया कि 31 मार्च को राज्य को हथियारबंद माओवादियों से मुक्त घोषित किया गया था। इसके बाद जिले में एक विशेष

अभियान शुरू किया। इसका मकसद माओवादियों द्वारा पहले से छिपाए गए सामान का पता लगाकर उसे बरामद करना था। अभियान में जिला पुलिस, डीआरजी, आईटीबीपी और बीएसएफ के जवान शामिल थे।

पुलिस अधीक्षक ने बताया कि अभियान में ग्रामीणों का भी सहयोग मिला। उनकी मदद से सुरक्षा बल घने जंगलों में छिपे माओवादियों के ठिकानों तक पहुंच पाए। अभियान के दौरान सुरक्षा बलों ने 1,01,64,000 रुपये का नकदी बरामद की, जिसमें से 14 लाख रुपये एक ठिकाने से और बाकी रकम दूसरे ठिकाने से मिली।

हथियार भी बरामद

पुलिस अधीक्षक ने कहा कि इसके अलावा 28 हथियार, कारतूस, विस्फोटक सामग्री और रोजमर्रा के इस्तेमाल का सामान भी बरामद किया गया। उन्होंने बताया कि बरामद हथियारों में तीन एके-47 राइफल, तीन एसएलआर राइफल, दो .303 राइफल, एक .315 बोर की राइफल, दो 12-बोर की बंदूकें, दो देसी कट्टे और एक एयर गन शामिल हैं।

ठंडी हवा का आनंद लेने होर्डिंग पर जा बैठी युवती

- घंटे भर चला ड्रामा, सड़क पर लग गई भीड़
- लंबी सीढ़ी लगाकर पुलिस ने सुरक्षित उतारा
- थाने में बैठकर सुनाई अपनी कहानी

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। वीआईपी शंकरनगर इलाके में बुधवार की सुबह एक हाईवोल्टेड ड्रामा के साथ हुई। यहां एक विशाल फटे होर्डिंग के बीच लोगों ने किसी को बैठे देखा। पहले तो लोगों को लगा कि बंदर है पर ध्यान से देखने पर पता लगा कि यह एक युवती है। अनहोनी

की आशंका के चलते उन्होंने तत्काल खम्हारडीह थाने को सूचना दी।

पुलिस ने फायर ब्रिगेड को इत्तला किया। पुलिस और फायर ब्रिगेड के जवान एक लंबी सीढ़ी का इस्तेमाल कर लगभग 35 फीट की ऊंचाई पर बैठी युवती तक पहुंचे और उसे सुरक्षित उतार लिया।

युवती ने पुलिस को बताया कि होर्डिंग पर चढ़ने की कोई खास वजह नहीं थी। सुबह की ठंडी हवा अच्छी लग रही थी इसलिए वह होर्डिंग पर चढ़ गई। वह खुद ही उतरना चाहती थी पर समझ में नहीं आ रहा था कि उतरे कैसे। इसलिए वह मदद का इंतजार कर रही थी।

हालांकि इस घटना ने पुलिस को हैरान किया है पर उसे इस बात की संतुष्टि भी है कि कोई अनहोनी नहीं हो गई। समाचार लिखे जाने तक युवती थाने में थी।

गिरफ्तारी से बचने चोर ने कर ली खुदकुशी!

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। शंकर नगर में एक ज्वेलरी दुकान में चोरी करने के मुख्य आरोपी ने खुदकुशी कर ली है। पुलिस उसे शिद्दत से तलाश रही थी। उसका एक नाबालिग साथी को पुलिस गिरफ्तार कर चुकी थी। पुलिस उस तक पहुंचती, इससे पहले ही उसने अपनी जान दे दी।

जानकारी के अनुसार शंकर नगर के लक्ष्य ज्वेलर्स में कुछ दिन पहले लगभग 90 लाख रुपए के अभूषणों की चोरी हुई थी। चोरी करते हुए आरोपी सीसीटीवी में कैद हो गया था। वारदात के बाद स्निफर डॉग दुकान से करीब 1.5 किलोमीटर दूर आरोपी के मोहल्ले तक पहुंच गया था। जिसकी मदद से पुलिस ने 12 घंटे के भीतर ही चोर के नाबालिग साथी को दबोच लिया। पकड़े गए आरोपी से 10 लाख के जेवर बरामद हुए हैं। अपचारी ने बताया कि चोरी के बाद दोनों ने गरियाबंद में पार्टी की थी। पुलिस को आशंका है कि साथी के पकड़े जाने की खबर मिलते ही मुख्य आरोपी डर गया और उसने फांसी लगा ली। पुलिस ने संदिग्धों पर नकेल कसना शुरू किया और नाबालिग को पकड़ लिया। उसने बताया कि चोरी का अधिकांश माल मुख्य आरोपी के पास है। दोनों आरोपी फिलहाल कालीमाता वार्ड में किराए के मकान में रह रहे थे और मूल रूप से ओडिशा के निवासी हैं। जब पुलिस वहां पहुंची तो वह फांसी के फंदे पर लटका मिला।

एवरेस्ट का फेक मीट मसाला, 50 हजार का माल जब्त

श्रीकंचनपथ समाचार

बिलासपुर। नकली मसाले के कारोबार की आशंका पर खाद्य एवं औषधि विभाग ने व्यापार विहार स्थित एक ट्रांसपोर्ट परिसर में छापेमारी की। जहां से एवरेस्ट मीट मसाला के संदिग्ध पैकेट जब्त किए हैं।

शुरुआती जांच में मसाले के नकली होने की आशंका जताई गई है। फिलहाल, विभाग पूरे सप्लाई नेटवर्क की जांच में जुटा हुआ है। इस कार्रवाई में करीब 50 हजार रुपए कीमती मसाले को सीज किया गया है। खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग की टीम ने श्री मारुति गुड्स गैरेज में जांच की।

इस दौरान एवरेस्ट मसाला कंपनी के प्रतिनिधि भी साथ थे। जिसने यह पुष्टि की कि एवरेस्ट मीट मसाला नकली होने की आशंका है।

खाद्य विभाग के अधिकारियों के अनुसार अब तक यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि, यह माल किस व्यापारी का है, इसे कहां सप्लाई किया जाना था। ट्रांसपोर्टर से माल से संबंधित दस्तावेज, बुकिंग डिटेल और सप्लाई से जुड़ी जानकारी मांगी गई है। एवरेस्ट कंपनी से भी विस्तृत जानकारी मांगी गई है।

विभाग के डीओ आरआर देवांगन ने बताया कि, शुरुआती जांच में एवरेस्ट मीट मसाला संदिग्ध लग रहा है, इसलिए उसे सीज किया गया है। सैंपल परीक्षण के लिए भेजे जा रहे हैं।

रायगढ़ के जंगल में मिली युवती की निर्वस्त्र लाश चेहरे को कुचल कर शिनाख्त मिटाने की कोशिश

श्रीकंचनपथ समाचार

रायगढ़। इलाके में एक युवती की निर्वस्त्र लाश मिलने से सनसनी फैल गई है। युवती का शव तुमीडीह डैम के पास औंधे मुंह पड़ा मिला। उसकी गर्दन पर धारदार हथियार की चोटें थीं। चेहरा पत्थर से कुचलकर उसकी शिनाख्त मिटाने की कोशिश की गई है।

मामला पूंजीपथरा थाना क्षेत्र का है। मंगलवार शाम तुमीडीह डैम के पास जंगल में लोगों ने एक युवती का शव देखा। तत्काल पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस को युवती का शव औंधे मुंह पड़ा मिला। शव के पास ही उसके कपड़े भी बिखरे मिले। हत्या के बाद उसकी पहचान छिपाने के

लिए चेहरे को पत्थर से कुचल दिया गया था। मृतका के गले और गर्दन के पीछे धारदार हथियार से वार किए जाने के निशान भी मिले हैं।

मृतका की उम्र 20 से 22 साल के बीच हो सकती है। आसपास के लोगों से पूछताछ के बाद भी युवती की शिनाख्त नहीं हो सकी। इसके बाद पुलिस ने शव का पंचनामा कर पोस्टमॉर्टम के लिए घरघोड़ा अस्पताल भेज दिया। मृतका की पहचान नहीं होने पर पुलिस ने आसपास के थाना क्षेत्रों में युवती की जानकारी भेजी है। गुम इंसान के मामलों से भी मिलान किया जा रहा है।

प्रारंभिक जांच, घटनास्थल और शव की स्थिति को देखकर पुलिस इस नतीजे पर पहुंची है कि वह अपने किसी पुरुष मित्र के साथ यहां पहुंची थी। किसी बात को लेकर दोनों में यहां अनबन हो गई होगी जिसके बाद यह दर्दनाक हादसा हो गया। पुलिस को शव परीक्षण रिपोर्ट और युवती की शिनाख्त का बेसब्री से इंतजार है। इसके बाद ही मामले का खुलासा हो पाएगा।

संपादकीय

लीक नहीं ठीक

नीट परीक्षा रद्द होने से प्रतिभाएं हताश

हमारे तंत्र की नाकामी और परीक्षा तंत्र में भ्रष्टाचारियों की बढ़ती सेंध का ही नतीजा है कि पेपर लीक के बाद नेशनल एलिजिबिलिटी-कम-एंट्रेंस टेस्ट यानी नीट परीक्षा 2026 रद्द कर दी गई। भारत में मेडिकल और डेंटल कोर्सेज में दाखिले के लिए तीन मई को परीक्षा आयोजित की गई थी, जिसमें करीब पौने तेईस लाख छात्रों ने परीक्षा दी थी। ये परीक्षाएं देश के 551 शहरों और विदेशों के 14 शहरों में 5400 केंद्रों पर आयोजित की गई थीं। दरअसल, पेपर लीक होने के आरोपों के बाद जांच एजेंसियों की सिफारिश पर परीक्षा रद्द की गई है। केंद्र सरकार ने कथित रूप से डेटा लीक और धांधली की व्यापक जांच के लिए सीबीआई जांच के आदेश दिए हैं। परीक्षा आयोजित करने वाली संस्था नेशनल टेस्टिंग एजेंसी ने कहा है कि व्यवस्था में विश्वास बहाली के लिए फिर से परीक्षा करने का निर्णय लिया गया है। कहा जा रहा है कि एनटीए ने कानून प्रवर्तन एजेंसियों द्वारा साझा निष्कर्षों की प्रारंभिक जांच के आधार पर परीक्षा स्थगन का फैसला लिया। निस्संदेह, इस फैसले ने उन लाखों छात्रों को निराश ही किया है जो महीनों से परीक्षा की तैयारी में लगे थे। अब उन्हें नये सिरे से परीक्षा की तैयारी करनी होगी। नीट प्रवेश परीक्षा स्थगित किए जाने के बाद तमाम विपक्षी दलों ने एनटीए व केंद्र सरकार पर तीखे हमले बोले हैं। कहा जा रहा है कि एनटीए में सुधार नहीं, अब पूरी संरचना बदलने की जरूरत है। एक संसदीय समिति की रिपोर्ट का हवाला देकर कहा जा रहा है कि एनटीए के बुनियादी पुनर्गठन की जरूरत है। राजनेता पीपर लीक व प्रश्नपत्रों में गलती सामने आने को छात्रों के भविष्य से खिलवाड़ बता रहे हैं। साथ ही पूरी परीक्षा प्रणाली को बदलने की मांग की जा रही है। साथ ही एनटीए के उद्देश्य और कार्यक्षमता को लेकर शंका जतायी जा रही है।

> केंद्र सरकार ने कथित रूप से डेटा लीक और धांधली की व्यापक जांच के लिए सीबीआई जांच के आदेश दिए हैं। परीक्षा आयोजित करने वाली संस्था नेशनल टेस्टिंग एजेंसी ने कहा है कि व्यवस्था में विश्वास बहाली के लिए फिर से परीक्षा करने का निर्णय लिया गया है। कहा जा रहा है कि एनटीए ने कानून प्रवर्तन एजेंसियों द्वारा साझा निष्कर्षों की प्रारंभिक जांच के आधार पर परीक्षा स्थगन का फैसला लिया। निस्संदेह, इस फैसले ने उन लाखों छात्रों को निराश ही किया है जो महीनों से परीक्षा की तैयारी में लगे थे। अब उन्हें नये सिरे से परीक्षा की तैयारी करनी होगी। नीट प्रवेश परीक्षा स्थगित किए जाने के बाद तमाम विपक्षी दलों ने एनटीए व केंद्र सरकार पर तीखे हमले बोले हैं।

वहीं कांग्रेस का आरोप है कि एनटीए द्वारा आयोजित 14 राष्ट्रीय परीक्षाओं में से पांच में पेपर लीक और अनियमितताओं के मामले उजागर हुए हैं। इनमें जेईई मेन्स 2025 उत्तर कुंजी के दोषपूर्ण होने पर प्रश्नपत्र में 12 प्रश्न वापस लेने पड़े थे। मांग है कि एनटीए को केंद्रीयकृत करने के बजाय संसद के प्रति जवाबदेह बनाया जाए। वहीं एनटीए कह रहा है कि छात्रों को नया आवेदन नहीं करना होगा, न ही कोई अतिरिक्त परीक्षा शुल्क लगेगा। यह भी कि एनटीए अपने संसाधनों का प्रयोग करके दोबारा परीक्षा आयोजित करेगी। साथ ही एनटीए ने परीक्षा में गड़बड़ी की जवाबदेही स्वीकारी है। दरअसल, आरोप है कि नीट का पेपर 'क्रेश्चन बैंक' के जरिये लीक किया गया, जिसमें फिजिक्स, कैमिस्ट्री और बायोलॉजी के तीन से ज्यादा सवाल थे। जिसमें आधे हूबहू परीक्षा में आए। आशंका है कि सोशल मीडिया के जरिये ये प्रश्नपत्र लाखों तक पहुंचे। हालांकि, इस मामले का खुलासा सीकर से हुआ, लेकिन कहते हैं कि पेपर पहले केरल से एक मई को आया और उसके तार नासिक से लेकर उत्तराखंड तक जुड़े थे। एनटीए ने कहा है कि सात मई की रात एक व्हिसलब्लोअर से उन्हें पेपर लीक की सूचना मिली। बताते हैं कि सीकर के एक पीजी संचालक ने पेपर लीक की सूचना पुलिस को दी। कालांतर में पेपर से जुड़ी ऑनलाइन चैट वायरल हो गई। एनटीए द्वारा जांच केंद्रीय एजेंसियों को सौंपने के बाद एक दर्जन से अधिक लोग गिरफ्तार किए गए। यह विडंबना ही है कि भ्रष्टाचार के बाजार में लाखों छात्रों की मेहनत और सपने नीलाम हो रहे हैं। कुछ लोग लीक मामलों में राजनीतिक संरक्षण के भी आरोप लगा रहे हैं। तभी कई बार नीट परीक्षा के प्रश्नपत्र लीक होने के बावजूद किसी को बड़ी सजा अब तक नहीं मिली है। यही वजह कि नीट परीक्षा को कंप्यूटर आधारित टेस्ट में बदलने की मांग की जा रही है क्योंकि पेन-पेपर मोड में पेपर लीक होने की ज्यादा आशंका रहती है। कंप्यूटर आधारित परीक्षा को सुरक्षित व पारदर्शी बताया जा रहा है। साथ ही पारदर्शी जांच व जवाबदेही तय करने की बात कही गई है। सवाल स्टाफकी आउटसोर्सिंग को लेकर भी उठे हैं। परीक्षाएं हाइब्रिड परीक्षा मॉडल के साथ ऑनलाइन कराने की भी मांग है।

सैन्य सेवा का अलहदा ढांचा और प्रतिज्ञा की पूर्णता

लेफ्टिनेट जनरल एसएस मेहता

सैन्य और सिविल सेवाओं के ढांचे मौलिक तौर पर अलग-अलग हैं। सैन्य पद वेतन से नहीं, बल्कि कमान और परिणामों के जिम्मे से मापे जाते हैं। ऐसे में यहां मामला वेतन समानता का नहीं, बल्कि रूपरेखा का है। दरअसल, गैर-कार्यात्मक अपग्रेडेशन से विसंगति बढ़ी है। जब राष्ट्र सैनिक का ध्यान रखता है, तो आत्मविश्वास से उसकी क्षमता बढ़ती है।

सिविल कर्मचारी और सैनिक, गणतंत्र को स्थिरता देने में जुड़वां स्तंभ हैं। एक निरंतरता एवं प्रशासनिक दृढ़ता के माध्यम से काम करता है; तो दूसरा तीव्रता और अस्तित्वगत जोखिम के जरिए। दोनों ही अपरिहार्य हैं। दोनों ऐसे ढांचे के हकदार हैं जो परिलक्षित करता हो कि उन्हें वास्तव में क्या करने की आवश्यकता है। इनके बीच अंतर का जवाब पदानुक्रम में नहीं है। मसला गढ़ी गई एक रूपरेखा है।

सेना के लिए कोई भी ढांचा एक मूलभूत वास्तविकता से शुरू होना चाहिए : सशस्त्र बलों के पद, नागरिक प्रणालियों के ओहदों से मूलत: भिन्न होते हैं। नागरिक जीवन में, पदानुक्रम काफी हद तक वरिष्ठता और प्रशासनिक तरक्की पाने का पैमाना होता है। जबकि सैन्य जगत में, यह जीवन एवं परिणाम पर परिचालन प्राधिकरण द्वारा तय होता है। एक प्रशासनिक त्रुटि से पैसे का नुकसान या देरी हो सकती है; लेकिन कमान में हुई त्रुटि से जानें और इलाका गंवाना पड़ सकता है।

सक्रिय अभियानों में सैनिकों की कमान संभालने वाले एक ब्रिगेडियर के पास, एक कर्नल की तुलना में केवल अधिक वरिष्ठता ही नहीं होती बल्कि उसको परिणामों का एक बिल्कुल अलग और कहीं अधिक भारी बोझ भी उठाना पड़ सकता है। यह अंतर इसलिए मायने रखता है क्योंकि सैन्य पदाक्रम संरचना को समझ-बूझकर पिरामिड की तरह शीर्ष पर संकरा होता बनाया गया है। युद्ध के मैदान में सबसे आगे रहने वालों के लिए युवावस्था की आवश्यकता होती है। इसलिए, संरचनात्मक रूप से फौज युवा बनी रहनी चाहिए, यह सुनिश्चित करते हुए कि बहुत कम संख्या में अफसर उच्चतर पदों तक पहुंच पाएं। यह कोई विफलता न होकर कमान संरचना का गणित है।

लेकिन इस गणित के परिणाम बहुत गहरे होते हैं। अधिकांश अधिकारी, चाहे वे कितने भी सक्षम क्यों न हों, कुछ निश्चित ओहदों से ऊपर कभी नहीं जा पाते। इसलिए, यह संस्था केवल उन लोगों द्वारा ही नहीं चलती जो शीर्ष तक पहुंचते हैं, बल्कि उन लोगों द्वारा भी परिचालित होती है, जो उस जगह बने रहते हैं जहां पर प्रणाली को उनकी सबसे अधिक आवश्यकता होती है-मेजर और लेफ्टिनेंट कर्नल, कंपनी कमांडर और बटालियन के उप-कमान अधिकारी- वे अफसर हैं जो सेना का परिचालन भार ठीक उसी स्तर पर उठाते हैं जहां वे कमानगत पद परिणाम देने में सबसे मुफीद होते हैं।

लेकिन जब इस समूह में आते अधिकारी अपने पद के भीतर कोई अर्थपूर्ण प्रगति होते नहीं देखते, रुतबे की एकमात्र दिखाई देने वाली पहचान (उच्चतर पद) पिरामिड की संरचना के मुताबिक जब उनमें से अधिकांश को नहीं मिल पाती, तब धीरे-धीरे कुछ कमजोर पड़ने लगता है। उनकी सक्षमता नहीं, न ही साहस। परंतु निश्चित तौर पर संस्था उन्हें अभी भी पहले जैसा ही देखती है। और फिर कई लोग सेना छोड़ देते हैं। विरोध में नहीं। बल्कि इसलिए, क्योंकि नागरिक जगत ने यह पहचानना सीख लिया है कि सैन्य सेवा ने उन लोगों के भीतर किन गुणों को पैदा किया है। दबाव वाली परिस्थिति में भी शांतचित्त रहना, निर्णय क्षमता व अनिश्चितता के बावजूद नेतृत्व का गुण होना और नागरिक जगत उन्हें एक ऐसा ढांचा मुहैया करता है जहां इन गुणों का यथोचित मोल पड़ता है। उस क्षण, राष्ट्र अपना सबसे कमजोर उत्पाद नहीं खोता, बल्कि बेहतरीन ढले (प्रशिक्षित) अपने लोगों में से कुछ को।

यही कारण है कि 'पद श्रेणी के भीतर तरक्की' का मामला महज दिखावटी मुद्दा नहीं। यह विसंगति की जड़ संस्थागत रूपरेखा में है। ज़िम्मेदारी, पेशेवर विशिष्टता, नियुक्ति पात्रता और पद-श्रेणी के भीतर दिखाई देने वाला रुतबा तब भी बना रहना चाहिए, जब तरक्की संभव न हो। वरना, व्यवस्था से अनजाने में यह संकेत मिलता है कि नौकरी का महत्व तभी है, जब कोई लगातार ऊपरी पदों पर चढ़ता रहे। लेकिन सेना सिर्फ एक सीढ़ी की तरह काम नहीं कर सकती। जिस किसी के पास जो पद है, वह अपने आप में उसके वहां पहुंचने को मान्यता है,न कि अगले पद के लिए महज एक इंतज़ारगाह।

इसलिए, संरचना को बचाकर रखना ज़रूरी है, पिरामिड की चोटी को चपटा करके नहीं, बल्कि यकीनी बनाना कि जब तक देश को इसकी ज़रूरत हो, अफसर अपने पद पर रहते हुए अपना सर्वोत्तम दे। वास्तव में यह हकीकत को मान्यता देना है: संस्था द्वारा चाही जाने वाली सबसे मुश्किल व ज़रूरी चीज़ों में से एक। यहीं गैर-कार्यात्मक उन्नयन उपाय परिदृश्य में दाखिल हुआ।

जहां पर तरक्की के अवसर समान नहीं थे, गैर-कार्यात्मक उन्नयन का उपाय सिविल सेवाओं में पदोन्नति जड़ता तोड़ने के लिए बनाया गया। इसके पीछे का सिद्धांत समझ में आता है; प्रशासनिक व्यवस्था को सेवा काल में विसंगति-नीत असमानताओं को कम करने के लिए एक उपाय की ज़रूरत थी। मुद्दा यह नहीं कि क्या इससे दूसरी सेवाओं को राहत मिली। मुद्दा यह है कि प्रशासनिक कैडर के लिए बनाया गया एक उपाय, सेना के उस ढांचे पर थोप दिया गया, जिसका सांचा पूरी तरह से अलहदी बुनियाद पर टिका है।

सिविल सेवाओं में, पद और वेतन मोटे तौर पर वरिष्ठता के चरणों का प्रतीक होते हैं। जबकि सेना में, पद परिचालन प्राधिकार और अपरिवर्तनीय परिणामों की जवाबदेही से तय होता है। जब सैन्य-तंत्र में भी गैर-कार्यात्मक उन्नयन तर्क लागू किया गया, तो इससे श्रेणीगत भ्रम बना। वेतन समतुल्यता धीरे-धीरे रुतबे में समतुल्यता का चिन्ह बनने लगी, भले ही अंतर्निहित जिम्मेदारियां मूलत: भिन्न हों। सक्रिय अभियानों में सैनिकों की कमान संभालने वाला अधिकारी केवल इसलिए किसी अन्य पदाधिकारी से संस्थागत रूप से समान नहीं हो जाता कि गणना के मुताबिक उनके वेतनमान समान हैं। यह तुलना भेदभावपूर्ण न सही, लेकिन अपूर्ण है। इसीलिए वेतन और पद अलहदा तार्किक रूपरेखा द्वारा तय किया जाना चाहिए। पद परिचालन प्राधिकार, कमान का जिम्मा और परिणामों के भार को परिलक्षित करता है। वेतन और भौतिक पहचान उस दायित्व को परिलक्षित करती है जो राज्य द्वारा पूरे कार्यकाल के दौरान देना बनता है और जिसे संस्थागत आवश्यकता के लिए जानबूझकर आकार देकर,संकुचित कर, संरचनात्मक रूप से बहुत छोटा कर दिया गया। इन दोनों का मिलान, दोनों को ही विकृत करना है। गैर-कार्यात्मक उन्नयन अंतर्निहित समस्या का निर्माण नहीं करता; इसने पहले से मौजूद संरचनात्मक विसंगति को उजागर किया। यह विसंगति उस बिंदु पर सर्वाधिक स्पष्ट नजर आती है जहां सैन्य सेवा खुद में संरचनात्मक रूप से खत्म होती है। और फिर आती है वह अंतिम हकीकत जिसका सामना व्यवस्था को करना ही होगा : सैन्य कार्यकाल जल्दी समाप्त हो जाता है, इसलिए नहीं कि व्यक्ति की योगदान क्षमता चुक गई, बल्कि इसलिए कि संस्था का युवा बने रहना जरूरी है। सिविल नौकरी अमूमन चक्रवृद्धि प्रतिफल वाली लंबी चढ़ाई जैसी होती है। कौशल गहराता है, नेटवर्क विस्तृत होता है और उम्र संग आय बढ़ती है। सैन्य सेवा में यह तर्क उलट हो जाता है।

इसके सबसे कठिन वर्ष अक्सर शुरुआती होते हैं। उस उम्र में जब सिविलियन नौकरी मजबूत हो रही होती है, तभी सैनिक की नौकरी उससे अधिकतम निजी कीमत वसूल रही होती है। और जब तक कोई समकक्ष नागरिक पेशेवर शिखर पर पहुंचता है उससे पूर्व ही सैनिक की सेवा खत्म हो जाती है। इसलिए, कमाई के खोए हुए उन दशकों के मद्देनजर तय न की गई नौकरी उपरांत वार्षिक पेंशन आम अर्थों में पेंशन नहीं। सेवा संरचना की विलंबित मान्यता है, राज्य द्वारा जानबूझकर बनाई वह रूपरेखा जो उन वर्षों के दौरान अधिकतम लाभ लेने के लिए गढ़ी गई है, जब उस लाभ की सबसे ज्यादा निजी कीमत फौजी को चुकानी पड़ती है।

यह अनुबंध कभी भी अकेले सैनिक द्वारा हस्ताक्षरित नहीं होता। अदृश्य रूप से परिवार भी उसके साथ नौकरी कर रहा होता है, वर्दी द्वारा सामान्य बनाई व्यक्ति की अनुपस्थिति, अस्थिरता और अनिश्चितता सहता है। दशकों दबाव वाले माहौल में कमान संभालने व संस्था के प्रति खुद को समर्पित करने वाला अफ्सर देश को कुछ ऐसा देता है जिसे वेतनमान से नहीं माप सकते। इसलिए उस अनुबंध के पूरा होने पर सम्मानपूर्वक विदाई कोई भावना नहीं, संस्थागत ईमानदारी है।

आधुनिक संघर्षों ने इस व्यवस्था को सही ढंग से लागू करने की फौरी जरूरत को और भी धार दे दी । युद्ध अब केवल सीमाओं पर ही नहीं होते;उनका असर बुनियादी ढांचे, सूचना प्रणालियों और जन मनोविज्ञान पर भी पड़ता है। ऐसे में, सेना, अर्धसैनिक बल, नागरिक प्रशासन औरराजनीतिक नेतृत्व को एक सुसंगत तंत्र के रूप में कार्य करे। यह सुसंगतता केवल क्षमता पर निर्भर न होकर सत्ता की स्पष्टता व पूरी व्यवस्था में परस्पर सम्मान पर भी निर्भर होती है। वह देश जो अपने संकटकालीन तंत्र के भीतर अनसुलझा पद-नीत असामंजस्य रहने देता है, अपने तंत्र में घर्षण पैदा करता है। आधुनिक संघर्ष में समाज का घर्षण रहित होना आवश्यक है। और परिणाम बनने क्षणों में, घर्षण आत्मघाती हो जाता है। आपदा राहत से लेकर सटीकता से बनाए अभियानों तक, आवश्यकता एक ही है: सुसंगतता। परिणाम बनने वाले क्षणों के दौरान कमान योग्यता पर बहस नहीं की जाती। पतन के दौरान काम-चलाऊ सम्मान नहीं हो सकता। सुसंगतता वर्षों के दौरान धीरे-धीरे ढांचों के जरिये बनती है, जो संकेत है कि देश अपने प्रत्येक संस्थान की भूमिका को समझता है।

जब सैनिक को भान हो कि उसके हित राष्ट्र की सीधी निगहबानी में हैं, तो आत्मविश्वास क्षमता में परिवर्तित हो जाता है। जब उसमें संदेह पैदा हो जाए कि हिसाब रखने वाले यह बिंदु पकड़ नहीं पाए, तो मूक क्षरण होने लगता है। वफादारी व साहस में नहीं, कुछ ऐसा जिसको नाम देना और जिसकी जगह लेना कठिन है। वैसा ढांचा देना राष्ट्र का उसके प्रति उत्तरदायित्व है। जब देश की प्रतिक्रिया सुनियोजित हो,तो संस्था कायम रहती है। फौजी को अहसास होता कि राष्ट्र उसे समझता है। और राष्ट्र जानता है कि निर्णायक घड़ी में फौजी वही रहेगा जो वह हमेशा से रहा है: द्वार पर। राहत प्रदान करने से पहले कोई सवाल न पूछने वाला, अविभाजित। बिना शर्त।

लेखक पश्चिमी कमान के पूर्व कमांडर और पुणे इंटरनेशनल सेंटर के संस्थापक ट्रस्टी हैं।

सस्ती एनर्जी का दौर फिलहाल के लिए तो खत्म हो चुका है

पलकी शर्मा

वैश्विक तेल संकट अब भारत के घरेलू बजटों को प्रभावित करने वाला है। दुनिया भर में सरकारें पहले ही किसी न किसी रूप में ऊर्जा-अनुशासन लागू करने लगी हैं। श्रीलंका ने चार-दिवसीय वर्क-वीक और ईंधन पास की नीति लागू की है। बांग्लादेश ने ईंधन की राशनिंग शुरू कर दी है।

फिलीपींस ने ऊर्जा आपातकाल घोषित कर दिया है। दक्षिण कोरिया ने तीन दशकों में पहली बार ईंधन मूल्य सीमा लागू की है। जापान ने रिकॉर्ड रणनीतिक भंडार जारी किए। यूरोपीय देश नागरिकों को ऊर्जा बचाने की चेतावनी दे रहे हैं, क्योंकि कई बाजारों में पेट्रोल की कीमतें 200 रु. प्रति लीटर से ऊपर पहुंच चुकी हैं। सस्ती एनर्जी का युग समाप्त हो चुका है, कम-से-कम फिलहाल के लिए।

इसका कारण हजारों किलोमीटर दूर स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में निहित है। यह संकीर्ण जलमार्ग दुनिया की लगभग 20% तेल आपूर्ति के लिए जिम्मेदार है। ईरान युद्ध इस महत्वपूर्ण मार्ग को अनिश्चितता के क्षेत्र में बदल चुका है। तेल टैंकरों के मार्ग बदले जा रहे हैं, शिपिंग बीमा लागतों में विस्फोटक वृद्धि हुई है, माल ढुलाई की लागत बढ़ गई है और आपूर्ति श्रृंखलाएं बाधित हैं।

भारत तो दुनिया की सबसे अधिक प्रभावित अर्थव्यवस्थाओं में है। हमारे लगभग 50% कच्चे तेल और 90% रसोई गैस का आयात होर्मुज से होता है। सरल शब्दों में कहें तो जब पश्चिम एशिया में आग लगती है तो खामियाजा भारत को भुगतना पड़ता है।

अभी तक भारतीय उपभोक्ताओं को इस संकट के सबसे बुरे प्रभाव से बचाकर रखा गया है। वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों में तेज बढ़ोतरी के बावजूद पेट्रोल और डीजल की कीमतें अधिकांशत: स्थिर बनी हुई हैं। न तो राशनिंग हुई है, न पेट्रोल पंपों के बाहर लंबी कतारें लगी हैं। लेकिन इसकी भी एक कीमत चुकानी पड़ी है।

सरकार ने उत्पाद शुल्क में कटौती की। सार्वजनिक क्षेत्र की तेल कंपनियों ने भारी अंडर-रिकवरी का बोझ उठाया। रिफाइनरियों को असामान्य रूप से ऊंची क्षमता पर काम करने के लिए मजबूर किया गया। एक तरह से राज्य ने उस झटके का एक हिस्सा स्वयं वहन किया, जिसे अन्यथा बाजार सीधे उपभोक्ताओं पर डाल देता।

आलोचकों का कहना है कि यह कदम राजनीतिक कारणों के चलते उठाया गया, कि चुनाव समाप्त होने तक ईंधन की कीमतों को कृत्रिम रूप से दबाकर रखा गया, और अब उपभोक्ताओं को मूल्य-वृद्धि के लिए तैयार किया जा रहा है। लेकिन यह तर्क उस व्यापक हकीकत की अनदेखी करता है, जिसका सामना हर तेल-आयातक अर्थव्यवस्था कर रही है।

दुनिया भर की सरकारों के सामने यही दुविधा थी कि झटके को तुरंत उपभोक्ताओं पर डाल दिया जाए और महंगाई को भड़का दिया जाए, या उसे अस्थायी रूप से स्वयं वहन किया जाए। अधिकांश सरकारों ने किसी न किसी रूप में हस्तक्षेप का रास्ता चुना। भारत ने भी यही किया।

क्योंकि ईंधन की कीमतें पेट्रोल पम्प पर लिखे अलग-थलग आंकड़े नहीं होतीं, उनका प्रभाव पूरी अर्थव्यवस्था में फैलता है- डीजल की ऊंची कीमतें परिवहन लागत बढ़ाती हैं, इससे खाद्य पदार्थों के दाम बढ़ते हैं, मैन्युफैक्चरिंग महंगी हो जाती है, हवाई यात्रा की लागत बढ़ जाती है और महंगाई व्यापक रूप से फैलकर असर डालती है।

यदि युद्ध कल समाप्त हो जाए, तब भी कीमतें अचानक सामान्य नहीं होंगी। टैंकरों को पहुंचने में हफ्तों लगते हैं, युद्धविराम की घोषणा के बाद भी बीमा दरें लंबे समय तक ऊंची बनी रहती हैं, देशों को अपने घट चुके भंडार फिर से भरने में समय लगता है, व्यापारी सतर्क बने रहते हैं, और आपूर्ति श्रृंखलाएं धीरे-धीरे ही सामान्य हो पाती हैं। आप इसकी कीमत या तो सीधे ऊंचे ईंधन दामों के रूप में चुकाते हैं, या अप्रत्यक्ष रूप से करों, महंगाई, राजकोषीय दबाव और सरकार के अन्य क्षेत्रों में घटे हुए खर्च के माध्यम से। इससे बचने का कोई रास्ता नहीं है।

(ये लेखिका के अपने विचार हैं)

दुनिया में सबसे अनमोल है जीवन की शांति

डॉ. मधुसुदन शर्मा

वर्तमान में पूरी दुनिया को शांति के संदेश की जरूरत है। संघर्ष नहीं, समझौता जरूरी है। हमें अपने अहंकार को नियंत्रित करना है। अपने लोक को संयम में रखना बहुत जरूरी है।

आज दुनिया को जिस चीज की सर्वाधिक आवश्यकता है वह है जीवन की शांति। व्यक्ति के जीवन की शांति से ही, परिवार, समाज व देश में शांति संभव है। अक्सर पूछा जाता है कि शांति की परिभाषा क्या है, किसको शांति कहते हैं। किसी ने कहा, युद्ध न होना ही शांति है। लेकिन दुनिया में कई ऐसे देश हैं जहां युद्ध नहीं है तो क्या वहां शांति है। किसी ने कहा कि आवाज का अभाव शांति है. तो क्या आवाज नहीं होना शांति है। दरअसल, जीवन में जैसा आप सोचेंगे वैसे ही अनुभव करेंगे। वैसा ही हमारा जीवन होगा। लेकिन जो मन की शांति है, वो बाहर नहीं मिलेगी। इसीलिए कहा जाता है कि अंदर शांति है तो बाहर शांति।

सही मायने में शांति मन की स्थिति है। शांति आत्मा का स्वभाव है। आत्मा का स्वधर्म शांति। जहां आत्मा अपने स्वधर्म को महसूस करती है, वहां शांति व्याप्त होती है। हर चीज का अपना स्वभाव होता है। प्रकृति का अपना स्वभाव है। जैसे हवा का स्वभाव वेग है। जल का स्वभाव शीतलता है। आत्मा का स्वभाव स्वभावत: शांति है। इसी कारण हर कोई शांति चाहता है। हम अपने कर्म और स्वभाव के अनुसार शांति की इच्छा रखते हैं, क्योंकि यह हर किसी का मूल स्वभाव है। शांति का अनुभव किया जा सकता है और इसे ध्यान के माध्यम से प्राप्त किया जा सकता है। पहले हम अपनी आत्मा को पहचानें कि मैं कौन हूं। मैं वही हूं जिसका स्वभाव शांति है। निस्संदेह, ये संसार एक मुसाफिरखाना है। हमारे जीवन का लक्ष्य हो कि न दुख दो न दुख लो। ये आत्मा का ट्रीटमेंट है। शांति से संतुलित करुणामय समाज का निर्माण होगा। हमें नफरत की आग को बुझाना है। शांति का सपना सजाना है हमें। लेकिन आत्मा की शान है शांति की अनुभूति। आज वैश्विक आवश्यकता है शांति। युद्ध के बादल पूरी दुनिया में छाये हुए हैं। निस्संदेह, हमारे जीवन से दूसरों के जीवन में शांति आएगी। लेकिन आज हम अपने स्वधर्म को भूल गए हैं। उच्च आत्मा का स्वधर्म शांति है। जब हम स्वधर्म में स्थापित हो जाएंगे तो शांति आ जाएगी। जीवन में सुख-शांति अनुभव करेंगे। हमें अपने को शांति स्वरूप बनाना है।

शांति वो नहीं जो शांति की स्मृति है। तूफान में भी शांति बनाये रखें। ताकि विपरीत परिस्थितियों में भी हम शांति स्थापित कर सकें। अपने जीवन में शांति को अनुभव करते हुए दूसरों को शांति दें। हम व्यक्तिगत जीवन से शुरुआत करें। स्वार्थ, क्रोध, अविश्वास आदि अशांति का कारण बनता है। साधन सुविधा जुटाकर शांति जुटाने का प्रयास निरर्थक है। जैसे धन से किताब खरीद सकते हैं ज्ञान नहीं। धन से बिस्तर मगर नींद नहीं खरीदी जा सकती है। हम साधन तो खरीद सकते हैं। शांति नहीं खरीद सकते। लेकिन आज सब कुछ तो है तो शांति नहीं है। धर्म की शरण में हम शांति के लिए जाते हैं। आज धर्म का स्वरूप कट्टरता हो गया है। हम सबके भीतर आत्मा एक है। उसका धर्म शांति है। आत्मा आनन्द स्वरूप, सुख स्वरूप, प्रेम स्वरूप है। सभी धर्म शांति का संदेश देते हैं। वसुधैव कुटुंबकम् का संदेश दुनिया को एक सूत्र में बांधता है।

अशांत दुनिया में आध्यात्मिक साधना से अनियंत्रित इच्छाएं रोकी जा सकती हैं। हम तनाव, चिंता भय से अशांत होते हैं। ज्ञान व योग से शांति मिलती है। शांत स्वरूप का अभ्यास करें। आत्मचिंतन से सकारात्मकता के विचार से हम मन को चैतन्य बनायें। जब हम मन से अशांत होते हैं तो परमात्मा को याद करते हैं। हम प्रत्येक दिन परमात्मा को याद करके अपने मन को शांति की स्थिति में ला सकते हैं। विपरीत स्थिति में हम शांति का अनुभव नहीं कर पाते। हम शांत की मनस्थिति में हैं तो समाज में योगदान दे सकते हैं। हम समाज में जो दे रहे हैं, उससे हम समाज की मानसिकता में परिवर्तन ला सकते हैं।

दद्दा की अदम्य इच्छाशक्ति और देशभक्ति

स्नातक बेरोजगार दद्दा बचपन से ही वर्क फ्रॉम होम का पालन करते रहे। उन्हें कभी किसी ऑफिस में जाकर किसी बॉस के अधीन काम करने का दुर्भाग्य नहीं झेलना पड़ा।

दद्दा सवा सौ प्रतिशत खांटी देशभक्त हैं। यह और बात है कि सवा चार फीट की लंबाई और पैंतीस किलो की पार्थिव काया के कारण उन्हें सेना में भर्ती होकर सीमा पर देशभक्ति दिखाने का अवसर नहीं मिल पाया। देश के लिए रक्त बहाने का सपना अधूरा रह गया, तो उन्होंने देशहित में रक्तदान करने का निश्चय किया। लेकिन अंडरवेट शरीर और हीमोग्लोबिन की कमी के कारण रक्तदान शिविर में दान देने पहुंचे दद्दा को ही डॉक्टरों ने दो यूनिट रक्त चढ़ा दिया।

फिर भी दद्दा ने हार नहीं मानी है। देशभक्ति के क्षेत्र में वे निरंतर सक्रिय रहे। राष्ट्रहित में राष्ट्रप्रधान द्वारा दिए गए हर निर्देश का वे अक्षरश: पालन करते हैं।

सोने के संदर्भ में स्पष्ट कर दूं कि दद्दा ने आजीवन एक ग्राम सोना नहीं खरीदा है और अब मृत्यु तक खरीदने का इरादा भी नहीं रखते। हालांकि इसका कारण त्याग नहीं, बल्कि 'सोना खरीदने की औकात' का अभाव है। वैसे दद्दा को सोने से अधिक 'सोने' यानी नींद और सपनों में विश्वास है।

डीजल-पेट्रोल के उपयोग के वे शुरू से विरोधी रहे हैं। पर्यावरण संरक्षण के नाम पर वे वर्षों से पैदल चल रहे हैं। यहां भी इच्छाशक्ति पर औकात हावी है क्योंकि उनके पास साइकिल तक नहीं है।

तले-भुने भोजन के प्रति भी उनका दृष्टिकोण अत्यंत सात्विक है। मंदिरों और लंगरों में जो मिल जाए, उसे बिना किसी मीन-मेख के राष्ट्रप्रसाद समझकर ग्रहण कर लेते हैं।

वर्कफ्रॉम होम का प्रचलन भले ही कोरोना काल में बढ़ा हो, लेकिन राजनीति शास्त्र से स्नातक बेरोजगार दद्दा बचपन से ही इसका पालन करते आ रहे हैं। उन्हें कभी किसी ऑफिस में जाकर किसी बॉस के अधीन काम करने का दुर्भाग्य नहीं झेलना पड़ा। घर बैठे मोबाइल पर सोशल मीडिया में राष्ट्रहित से जुड़े पोस्ट डालना, मित्रों की पोस्ट पर तीखी टीका-टिप्पणी करना और हर मुद्दे पर विशेषज्ञ राय देना ही उनका कर्मक्षेत्र है। कुल मिलाकर दद्दा विशुद्ध देशभक्त हैं। देश के लिए उन्होंने भले ही कुछ किया हो या नहीं, लेकिन देशभक्ति पर प्रतिदिन कम-से-कम चार पोस्ट अवश्य करते हैं।

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाएँ
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544
www.onlytds.com

श्रीकंचनपथ
भिलाई-दुर्ग

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन के लिए
संपर्क करे
Mob.-:
9303289950
7987166110

प्रमुख खबरें

यूथ हॉस्टल्स के सदस्यों ने फुलारा रिट्ज ट्रैकिंग में दी सहभागिता

भिलाई। यूथ हॉस्टल्स एसोसिएशन ऑफइण्डिया दुर्ग भिलाई इकाई के तीन सदस्य उत्तराखंड के फुलारा रिट्ज ट्रैकिंग में शामिल हुए। इसमें दुर्ग भिलाई इकाई प्रेसिडेंट ऋषि कांत तिवारी कैम्प लीडर के रूप में अपनी सेवाएँ देकर यूथ हॉस्टल्स छत्तीसगढ़ को गौरवान्वित किये हैं। अन्य दो सदस्य राजेश कुमार एवं विजय जैन हैं। इस संबंध में छत्तीसगढ़ राज्य शाखा सचिव के. सुब्रमण्यम ने बताया कि फुलारा रिट्ज की ऊंचाई समुद्र तल से 12128 फीट है । वहाँ चारों ओर बर्फ से घिरे पहाड़ों पर ट्रैकिंग का अनुभव अलग ही रोमांचकारी रहता है। सदस्यों के अनुसार रात में कैंप में माइनस चार डिग्री सेल्सियस तापमान में रहने का अनुभव बहुत ही ज्यादा चुनौतीपूर्ण और अविस्मरणीय रहा। यूथ हॉस्टल्स एसोसिएशन ऑफ इण्डिया दुर्ग भिलाई इकाई के समस्त पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने राष्ट्रीय स्तर पर छत्तीसगढ़ का प्रतिनिधित्व करने के लिए प्रतिभागियों को शुभकामना व्यक्त की हैं।

मेधावी छात्र कोरमा राव का किया सम्मान

भिलाई। श्री साईं नाथ जन सेवा समिति ने केम्प-1 स्टील नगर निवासी एस. राजाराव एवं एस. महालक्ष्मी के सुपुत्र एस. कोरमा राव का सम्मान किया। शकुंतला विद्यालय के कक्षा 12वीं गणित संकाय के छात्र कोरमा राव ने इस वर्ष 96.20 प्रतिशत अंक के साथ दुर्ग जिले में तृतीय स्थान एवं सम्पूर्ण छत्तीसगढ़ में 11वाँ स्थान प्राप्त किया है। श्री साईं नाथ जन सेवा समिति के सदस्यों ने एस. कोरमा राव का शॉल, श्रीफल एवं मोमेंटो भेंट कर सम्मान किया। इस अवसर पर संस्था के अध्यक्ष जी. माधव राव ने कहा कि एस. कोरमा राव की यह सफलता युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत है। संस्था की ओर से डॉ. के चिरंजीवुलु, बबलू (रुद्र), जगदीश कुमार और अजय आदि उपस्थित थे।

हरिनगर एवं कातुलबोर्ड क्षेत्र में पेयजल संकट दूर करने निगम की पहल

दुर्ग। नगर पालिक निगम दुर्ग द्वारा गर्मी के मौसम में बढ़ती पेयजल समस्या को देखते हुए वार्ड क्रमांक 59 हरिनगर एवं वार्ड क्रमांक 60 कातुलबोर्ड क्षेत्र में विशेष व्यवस्था लागू की गई है। लगातार बढ़ते तापमान एवं पानी की खपत में वृद्धि के कारण इन क्षेत्रों में पेयजल आपूर्ति प्रभावित हो रही थी, जिससे अंतिम छोर पर निवासरत नागरिकों को पर्याप्त मात्रा में पानी नहीं मिल पा रहा था। निगम प्रशासन को प्राप्त शिकायतों एवं क्षेत्रीय निरीक्षण के दौरान यह सामने आया कि कई स्थानों पर टुल्लू पंपों का अत्यधिक उपयोग किए जाने से जलप्रवाह असंतुलित हो रहा है। इसके कारण मुख्य पाइपलाइन से जुड़े अंतिम घरों तक पानी का दबाव नहीं पहुंच पा रहा था और नागरिकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था।

विभागीय समन्वय के साथ बेहत्तर कार्य करें अधिकारी - बोरा

सुशासन तिहार अंतर्गत शिविरों में प्राप्त आवेदनों का करें गुणवत्तापूर्वक निराकरण, ग्रीष्मऋतु को ध्यान में रखते पेयजल का हो पुख्ता प्रबंध

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग।प्रमुख सचिव एवं दुर्ग जिले के प्रभारी सचिव सोनमणि बोरा ने आज जिला मुख्यालय स्थित लोक निर्माण विभाग कार्यालय के सभाकक्ष में अधिकारियों की समीक्षा बैठक में प्रस्तावित एजेंडानुसार पुलिस, वन विभाग, जिला पंचायत, नगरीय निकाय, राजस्व, स्वास्थ्य, महिला एवं बाल विकास, शिक्षा, आदिवासी विकास, कृषि एवं उद्यानिकी विभाग द्वारा संचालित योजनाओं की समीक्षा की और आवश्यक दिशा-निर्देश दिये।

उन्होंने कहा कि अविभाजित मध्यप्रदेश के समय से सामाजिक, आर्थिक, व्यवसायिक, शैक्षणिक एवं राजनीतिक दृष्टिकोण से दुर्ग जिले का महत्वपूर्ण स्थान रहा है। शासन की योजनाओं के क्रियान्वयन और नवाचारी के लिए मॉडल जिले के रूप में पहचान है। जिले की पहचान को कायम रखते हुए विभागीय अधिकारी समन्वय के साथ बेहतर कार्य करना सुनिश्चित करें। उन?होंने कहा कि शासन की महत्वकांक्षी सुशासन तिहार अंतर्गत शिविरों में प्राप्त आवेदनों का अधिकारी गुणवत्तापूर्वक निराकरण करना सुनिश्चित करें। इस दौरान आवश्यक विभागीय सेवाएं लोगों को उपलब्ध कराएं। प्रभारी सचिव ने कहा कि हर विभाग एक दूसरे का पूरक है। शासन की योजनाओं पर समग्र रूप से कार्य किया जाए। समीक्षा बैठक में कलेक्टर अभिजीत सिंह और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक विजय अग्रवाल भी उपस्थित थे।

प्रभारी सचिव बोरा ने नगरीय निकायों में पेयजल एवं नालों की सफाई आदि की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि ग्रीष्मऋतु को ध्यान में रखते हुए नगरीय निकायों में पेयजल का पुख्ता प्रबंध किया जाए। आवश्यकतानुसार टैंकरों से पानी सप्लाई की जाए। इसी प्रकार बरसात पूर्व नगर के बड़े नालों की समय रहते सफाई पूर्ण कर ली जाए। नालों में हुए अतिक्रमण भी हटाए। सैप्टिक टैंक सफाई के दौरान एसओपी का पालन किया जाए।

नगरीय निकायों में स्वीकृत पीएम आवास निर्माण कार्य पूर्ण करायी जाए। हितग्राही सम्मेलन आयोजित कर उन्हें आवास निर्माण हेतु प्रोत्साहित किया जाए। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना की समीक्षा के दौरान सहायक परियोजना अधिकारी मनरेगा के लंबित मजूदरी का भुगतान राशि के बारे में बताया गया कि शासन द्वारा राशि स्वीकृत कर दी गई है, वर्तमान में श्रमिकों के खाते में राशि क्रेडिट होना प्रारंभ हो गया है तथा भुगतान राशि लगातार जारी है।

प्रभारी सचिव श्री बोरा ने सभी मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जनपद पंचायत को अपने-अपने क्षेत्र की ग्राम पंचायतों में मनरेगा श्रमिकों के खातों में मजदूरी राशि आहरण की जानकारी साझा करने तथा भुगतान से जुड़ी समस्याओं का त्वरित निराकरण करने के निर्देश दिये है। रोजगार सहायकों को भी श्रमिकों से संपर्क कर मजदूरी भुगतान संबंधी जानकारी साझा कराये ताकि ग्रामीण क्षेत्रों में श्रमिकों से जुड़ी भुगतान संबंधी किसी भी समस्या का शीघ्र समाधान किया जा सकें।

उन्होंने ग्राम पंचायत स्तर पर भी श्रमिकों को उनके खातों में जमा राशि होने संबंधी जानकारी उपलब्ध कराने के निर्देश दिये। प्रभारी सचिव ने लखपति दीदी और स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण फेस-2 की जानकारी ली। उन?होंने कहा कि कम्युनिटी शौचालय जहां जरूरी है वही होना चाहिए। अधिकारियों ने अवगत कराया कि एन.आर.एल.एम. अंतर्गत 78 हजार 411 लक्ष्य के विरूद्ध, 37 हजार लखपति दीदी बनाये गये हैं। जिले के अंतर्गत चीचा और बेलौदी को वैट-लैंड क्षेत्र घोषित किया गया है। राजस्व विभाग की समीक्षा के दौरान अविवादित राजस्व प्रकरण समयावधि में निपटाने के निर्देश दिये। प्रकरण समय-सीमा के बाहर नहीं होना चाहिए। स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा के दौरान संस्थागत डिलवरी पर जोर देते हुए शिशु मृत्यु दर निरंक प्रतिशत करने तथा शिशुओं को सभी संदर्भ सेवाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिये। प्रभारी सचिव ने कहा कि स्कूल एवं छात्रावासों के समीप नशीले पदार्थों की बिक्री आदि रोकथाम की पहल किया जाए। उन?होंने 16 जून तक जिले के सभी छात्रावास में आवश्यक, मरम्मत एवं सुधार कार्य पूर्व करा लेने के निर्देश दिये।

प्रभारी सचिव ने कृषि के खरीफसीजन हेतु जिले में उपलब्ध उर्वरक के वितरण हेतु कार्ययोजना बनाने एवं उपलब्धता हेतु आवश्यक तैयारी करने कृषि विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया। बैठक के प्रारंभ में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अग्रवाल ने पुलिस विभाग द्वारा संचालित विभिन्न गतिविधियों के संबंध में पावर पाइंट प्रजेटेंशन के माध्यम से जानकारी दी।

इस अवसर पर वनमंडलाधिकारी दीपेश कपिल, एडीएम वीरेन्द्र सिंह, अपर कलेक्टर योगिता देवांगन, संयुक्त कलेक्टर श्रीमती सिल्ली थामस एवं हरवंश सिंह मिरी, सभी एसडीएम एवं जनपद सीईओ सहित समस्त विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।

दुर्ग के सिकोला बस्ती में लगेगी शिवजी की भव्य प्रतिमा, मंत्री गजेन्द्र यादव ने किया भूमिपूजन

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। दुर्ग विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत वार्ड क्रमांक 15 एवं 16 स्थित सिकोला बस्ती के तालाब के मध्य में भगवान शिव की 31 फीट ऊँची भव्य प्रतिमा स्थापना हेतु आयोजित भूमिपूजन कार्यक्रम में प्रदेश के शिक्षा, ग्रामोद्योग एवं विधि-विधायी मंत्री गजेन्द्र यादव शामिल हुए। उन्होंने विधि-विधान से पूजन-अर्चन कर निर्माण कार्य के शुभारंभ पर क्षेत्रवासियों को शुभकामनाएँ दीं।

केबिनेट मंत्री गजेन्द्र यादव ने कहा कि भगवान शिव की यह विशाल प्रतिमा केवल धार्मिक आस्था का केंद्र नहीं होगी, बल्कि क्षेत्र की सांस्कृतिक पहचान, आध्यात्मिक चेतना और सामाजिक एकता का भी प्रतीक बनेगी। उन्होंने कहा कि देवाधिदेव महादेव की कृपा से पूरे क्षेत्र में सुख, शांति, समृद्धि एवं सकारात्मक ऊर्जा का संचार बना रहे, यही कामना है।

मंत्री श्री यादव ने उन्होंने वार्ड 15 एवं 16 के नागरिकों द्वारा जनसहयोग से कराए जा रहे इस धार्मिक एवं सामाजिक कार्य की सराहना करते हुए कहा कि समाज की सहभागिता से होने वाले ऐसे कार्य एकजुटता को मजबूत करते हैं। कार्यक्रम के दौरान क्षेत्रवासियों ने मंत्री श्री यादव से तालाब के सौंदर्यीकरण की मांग भी रखी, जिस पर उन्होंने आवश्यक कार्य कराने हेतु मंच से घोषणा भी किये।

मंत्री श्री यादव ने उपस्थित नागरिकों को संबोधित करते हुए वार्ड के विकास कार्यों, मूलभूत सुविधाओं एवं आगामी योजनाओं को लेकर चर्चा की तथा क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के लिए निरंतर कार्य करने का भरोसा दिलाया।

इस अवसर पर सभापति श्याम शर्मा, मंडल अध्यक्ष मनमोहन शर्मा, पार्षद युवराज कुंजाम, खिलावन मटियारा, कुलेश्वर साहू, मनीष कोठारी, मन्नू साहू, उमेश यादव, बलराम यादव, बबलू यादव, महिला समूह की सदस्यगण एवं बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

जयंती नगर गार्डन की जमीन पर अतिक्रमण महापौर अलका बाघमार ने किया निरीक्षण

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। नगर पालिक निगम सीमा क्षेत्र अंतर्गत वार्ड क्रमांक 16 जयंती नगर स्थित गार्डन हेतु घोषित रिक्त भूमि पर अतिक्रमण कर कब्जा किए जाने की शिकायत वार्डवासियों द्वारा महापौर अलका बाघमार से की गई। शिकायत मिलते ही महापौर ने मामले को गंभीरता से लेते हुए स्थल का निरीक्षण किया तथा अधिकारियों को तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान महापौर अलका बाघमार के साथ लोक कर्म प्रभारी देव नारायण चन्द्राकर, भवन अधिकारी प्रकाश चंद थवानी एवं उप अभियंता पंकज साहू उपस्थित रहे। वार्डवासियों ने बताया कि संबंधित स्थल पर अतिक्रमण कर कब्जा किया गया है, जिससे मिनी गार्डन निर्माण की योजना प्रभावित हो रही है तथा क्षेत्र के नागरिकों को सार्वजनिक सुविधा से वंचित होना पड़ रहा है। सड़क पर बढ़ाई गई सीढ़ी हटाने के निर्देश, आवागमन में हो रही थी परेशानी निरीक्षण के दौरान महापौर ने सड़क क्षेत्र में आगे बढ़ाकर बनाए गए सीढ़ी निर्माण को भी हटाने के निर्देश अधिकारियों को दिए। स्थानीय नागरिकों ने बताया कि सड़क पर अतिक्रमण एवं सीढ़ी निर्माण के कारण लोगों को आवागमन में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है।विशेषकर बुजुर्गों, महिलाओं एवं बच्चों को आने-जाने में परेशानी होती है। महापौर अलका बाघमार ने कहा कि निगम क्षेत्र में सार्वजनिक भूमि एवं सड़क पर किसी भी प्रकार का अतिक्रमण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

स्वदेशी जागरण मंच युवाओं को स्व-उद्यमिता से जोड़ने सक्रिय, 30 मई तक होंगे प्रशिक्षण आयोजन

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के आर्थिक क्षेत्र में कार्यरत अनुसांगिक संगठन स्वदेशी जागरण मंच द्वारा युवाओं को स्व-उद्यमिता की दिशा में प्रेरित एवं सक्षम बनाने के उद्देश्य से लगातार कार्य किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में हाल ही में जगदलपुर में इनोवेशन महाकुंभ 1.0 का आयोजन संपन्न हुआ, जिसमें बस्तर के सुदूर वनांचल क्षेत्रों से आए 1743 युवा छात्र-छात्राओं एवं 200 पुनर्वासित नक्सलियों ने भाग लेकर प्रशिक्षण प्राप्त किया। कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में छत्तीसगढ़ के महामहिम राज्यपाल उपस्थित रहे, जबकि समापन सत्र में मुख्यमंत्री ने सहभागिता की। इसके साथ ही प्रदेश सरकार के तीन कैबिनेट मंत्रियों ने भी कार्यक्रम में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। प्रशिक्षण एवं मार्गदर्शन हेतु **Indian Institute of Technology Roorkee** सहित विभिन्न विश्वविद्यालयों से विशेषज्ञों ने सहभागिता निभाई। इसी क्रम में दुर्ग संभाग के छह जिलों में 30 मई तक स्वदेशी जागरण मंच द्वारा विस्तार अभियान, एक दिवसीय जिला विचार वर्ग एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इसकी तैयारियों को लेकर दुर्ग के सुभाष नगर स्थित दुर्ग संभाग कार्यालय में बैठक आयोजित कर विस्तृत योजना बनाई गई। बैठक में मुख्य वक्ता के रूप में दिनेश पाटिल, प्रांत सह संयोजक, स्वदेशी जागरण मंच छत्तीसगढ़ उपस्थित रहे। इस अवसर पर दुर्ग जिला सह संयोजक मोहन बागुल, गीतेश साव सुधा पवार, विम्भी पवार, अंजू राव, कामता साहू एवं चंद्रेश साहू विशेष रूप से उपस्थित रहे।

राज्यपाल ने सराहा जीई फाउंडेशन के कार्यों को, बताया प्रेरणादायी

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। सामाजिक संस्थान गोल्डन एम्पथी (जीई) फाउंडेशन के प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल रमेन डेका से लोकभवन में सौजन्य मुलाकात की। इस अवसर पर संस्था द्वारा समाज के कमजोर एवं जरूरतमंद वर्गों, विशेष रूप से दिव्यांग एवं वंचित बच्चों के लिए किए जा रहे विभिन्न सामाजिक एवं जनकल्याणकारी कार्यों की विस्तृत जानकारी साझा की गई।

सदस्यों ने राज्यपाल को बताया कि जीई फाउंडेशन लगातार दिव्यांग बच्चों के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य, प्रोत्साहन एवं सामाजिक जागरूकता से जुड़े कार्यक्रम संचालित कर रही है। इसके साथ ही संस्था द्वारा कुपोषण से प्रभावित बच्चों एवं परिवारों के बीच पोषण जागरूकता अभियान, खाद्य सामग्री वितरण तथा स्वास्थ्य सहायता जैसे कार्य भी निरंतर किए जा रहे हैं। इस मुलाकात के दौरान रावघाट क्षेत्र में सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) के सहयोग से चलाए जा रहे सामाजिक एवं सेवा कार्यों की जानकारी भी दी गई।

राज्यपाल रमेन डेका ने संस्था द्वारा किए जा रहे सामाजिक कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि समाज के वंचित एवं जरूरतमंद बच्चों के लिए इस प्रकार के प्रयास अत्यंत प्रेरणादायी एवं सराहनीय हैं। उन्होंने विशेष रूप से दिव्यांग बच्चों एवं कुपोषण के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियानों की प्रशंसा की तथा भविष्य में बच्चों से संबंधित संस्था के कार्यक्रमों में शामिल होने की सहमति भी प्रदान की। उन्होंने कहा कि समाज सेवा एवं मानवीय मूल्यों के साथ किए जा रहे ऐसे प्रयास सामाजिक जागरूकता एवं सकारात्मक परिवर्तन लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इस अवसर पर जीई फाउंडेशन की ओर से प्रदीप पिल्लई, केवी विनोद, मनीष टावरी और संजय मिश्रा उपस्थित रहे।

बीएसपी के एन्फोर्समेंट विभाग द्वारा अवैध कब्जेधारियों के विरुद्ध कार्रवाई

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। सेल- भिलाई इस्पात संयंत्र के एन्फोर्समेंट विभाग द्वारा विगत 15 दिनों के दौरान अवैध कब्जेधारियों के विरुद्ध व्यापक एवं सघन कार्रवाई अभियान चलाया गया। इस अभियान के अंतर्गत सेक्टर6 स्थित 4 अनफिट ब्लॉकों से कुल 37 अवैध कब्जे हटाए गए, जिससे नगर अभियांत्रिकी विभाग को संबंधित ब्लॉकों में नियोजित विघटन कार्य संचालित करने में सुविधा प्राप्त हुई। इसी क्रम में नगर क्षेत्र के विभिन्न सेक्टरों में स्थित 12 आवासों से भी अवैध कब्जेधारियों को हटाने की कार्रवाई की गई। साथ ही, मार्केट क्षेत्रों में अवैध रूप से व्यवसाय संचालित कर रहे कब्जेधारियों के लगभग 5000 वर्गफीट क्षेत्र से अवैध स्ट्रक्चर हटाए गए तथा संबंधित सामग्रियों को

प्रवर्तन विभाग की अभिरक्षा में लिया गया।

नेवई क्षेत्र में भी विशेष अभियान चलाकर अवैध कब्जों एवं निर्माण गतिविधियों पर कार्रवाई की गई। इस दौरान अवैध निर्माण कार्यों को तत्काल रोका गया तथा समझाइश एवं प्रवर्तन कार्रवाई के माध्यम से लगभग 10000 वर्गफीट भूमि को कब्जामुक्त कराया गया।

एन्फोर्समेंट विभाग द्वारा अवैध कब्जेधारियों को पुन: आगाह किया गया है कि वे स्वेच्छा से अपने कब्जे शीघ्र हटाएं, अन्यथा नियमानुसार कठोर कार्रवाई की जाएगी। विभाग द्वारा यह भी स्पष्ट किया गया है कि मुख्य चौक एवं प्रमुख मार्गों पर लगाए गए अवैध होर्डिंग्स एवं स्ट्रक्चर भी हटाए जाएंगे। सभी संबंधित पक्षों से अपील की गई है कि संभावित नुकसान से बचने हेतु वे अपने अवैध स्ट्रक्चर स्वयं हटवा लें।

यह कार्रवाई कार्यपालक निदेशक (मानव संसाधन) पवन कुमार के निर्देशानुसार, महाप्रबंधक प्रभारी (नगर सेवाएं विभाग एवं सीएसआर) ए. बी. श्रीनिवास के मार्गदर्शन एवं सहायक महाप्रबंधक (प्रवर्तन) रेमी थॉमस के नेतृत्व में की गई।

अभियान में उप प्रबंधक (प्रवर्तन) मुकुंद दास मानिकपुरी, सहायक प्रबंधक (प्रवर्तन) देवानंद चौहान, संपदा निरीक्षक राममूर्ति, रमाकांत यादव, भगवान, बलराम शुक्ला, ललन सिंह, अजय मिश्रा, कुद्दुद्दीन कुरैशी, ज्ञानचंद जैन, राम सहित सुरक्षा कर्मियों का विशेष योगदान रहा।

प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत निगम ने 10 हितग्राहियों को आवास आवंटित किए

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। नगर पालिक निगम द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत शहर के विभिन्न आवासीय परिसरों में निर्मित मकानों के आवंटन की प्रक्रिया लगातार जारी है। निगम क्षेत्र के सरस्वती नगर, मां कर्मा बोरसी एवं गोकुल नगर में एएचपी घटक के तहत निर्मित किफायती एवं आकर्षक आवासों के लिए शहरवासियों में उत्साह देखा जा रहा है और बड़ी संख्या में आवेदन प्राप्त हो रहे हैं।

निगम प्रशासन द्वारा प्रत्येक माह प्राप्त आवेदनों के आधार पर पारदर्शी तरीके से लॉटरी के माध्यम से आवासों का आवंटन किया जा रहा है। इसी क्रम में गोकुल नगर में 1, सरस्वती नगर में 7 तथा मां कर्मा बोरसी में 2 आवासों के लिए कुल 10 आवेदन प्राप्त हुए, जिनका लॉटरी प्रक्रिया के माध्यम से आवंटन किया गया।

लॉटरी प्रक्रिया महापौर अलका बाघमार की उपस्थिति में संपन्न हुई। इस दौरान लोक कर्म प्रभारी देव नारायण चंद्राकर, चंद्रशेखर चंद्रकार, ज्ञानेश्वर ताम्रकार, रंजीता पाटिल तथा कार्यपालन अभियंता विनिता वर्मा उपस्थित रहे। महापौर बाघमार ने हितग्राहियों को आवंटन पत्र प्रदान किए। लॉटरी प्रक्रिया के दौरान प्रत्येक हितग्राही ने स्वयं पर्ची निकालकर अपने आवास का चयन किया, जिससे पूरी प्रक्रिया की निष्पक्षता एवं पारदर्शिता स्पष्ट रूप से दिखाई दी। निगम प्रशासन ने जानकारी दी कि हितग्राहियों द्वारा सम्पूर्ण राशि जमा करने के बाद उन्हें आधिपत्य पत्र प्रदान किया जाएगा।

Since 1972
CROWN-TV
Choice Of Millions
Washing Machine / Cooler
Available All Size
CONTACT :
Atlas Radio Traders (Crown)
Sect.-3, D-48, Ward No. 22
Devendra Nagar, Raipur (C.G.) 492009
Near Akash Gas Agency Line

खास-खबर

विधानसभा अध्यक्ष ने पद्मश्री फूलबासन यादव से मिलकर कुशलक्षेम जाना

राजनांदगांव। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने ग्राम चवेली पहुंचकर पद्मश्री फूलबासन यादव से चर्चा कर उनका कुशलक्षेम जाना तथा उनके साथ घटित दुखद एवं अप्रिय घटना के संबंध में जानकारी ली। विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि पद्मश्री फूलबासन यादव के साथ हुई यह अप्रिय घटना चिंताजनक है। पुलिस की सक्रियता से उनका जीवन सुरक्षित हो सका। उन्होंने उनकी सुरक्षा के लिए कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। डॉ. रमन सिंह ने पद्मश्री फूलबासन यादव से आत्मीय बातचीत के दौरान उनसे इस दुखद घटना की पूरी जानकारी ली। उन्होंने कहा कि वे छत्तीसगढ़ में महिला स्वसहायता समूह की लाखों महिलाओं को संगठित कर रोजगार से जोड़ने का कार्य कर रही हैं। निःस्वार्थ भाव से कार्य करने वाली पद्मश्री फूलबासन यादव के साथ हुई यह अप्रिय घटना टल गई। आगे भी समर्पित भाव से कार्य करते रहें। उन्होंने कहा कि हम सभी हिम्मत बढ़ाने के लिए आपके साथ हैं। जब भी जरूरत होगी सरकार की ओर से मदद मिलेगी।

भीषण गर्मी में राहत : तहसील परिसर में शुरू हुआ नया प्याऊ घर

धमतरी। भीषण गर्मी को देखते हुए आम जनता और पक्षकारों की सुविधा के लिए जिला अधिवक्ता संघ धमतरी द्वारा तहसील परिसर में पेयजल व्यवस्था सुदृढ़ करने हेतु सराहनीय पहल की गई है। अधिवक्ता संघ द्वारा तहसील परिसर में नए प्याऊ घर (पेयजल केंद्र) की शुरुआत की गई। प्याऊ घर के शुभारंभ अवसर पर अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) पीयूष तिवारी विशेष रूप से उपस्थित रहे। इस दौरान क्षेत्र के सभी तहसीलदार एवं राजस्व अधिकारी भी कार्यक्रम में शामिल हुए। प्रशासनिक अधिकारियों ने अधिवक्ता संघ के इस जनहितैषी प्रयास की सराहना करते हुए इसे गर्मी के मौसम में आम नागरिकों के लिए उपयोगी पहल बताया। अधिवक्ता संघ के पदाधिकारियों ने बताया कि तहसील कार्यालय में प्रतिदिन बड़ी संख्या में लोग अपने राजस्व एवं कानूनी कार्यों के लिए पहुंचते हैं। बढ़ती गर्मी को ध्यान में रखते हुए लोगों को शुद्ध एवं ठंडा पेयजल उपलब्ध कराने के उद्देश्य से यह व्यवस्था की गई है।

मुख्यमंत्री स्वस्थ बस्तर अभियान से लोगों को मिल रहा स्वास्थ्य लाभ

कोण्डागांव। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की पहल पर 13 अप्रैल 2026 से प्रारंभ किए गए मुख्यमंत्री स्वस्थ बस्तर अभियान के माध्यम से बस्तर संभाग के सभी जिलों के दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की प्रभावी पहुंच सुनिश्चित की जा रही है। अभियान के तहत स्वास्थ्य विभाग की टीमें घर-घर पहुंचकर लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण कर रही हैं तथा गंभीर एवं संक्रामक बीमारियों की समय पर पहचान कर उपचार उपलब्ध कराया जा रहा है। इसी क्रम में कलेक्टर नूपुर राशि पन्ना के निर्देशानुसार एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. आर.के. चतुर्वेदी के नेतृत्व में जिले में अभियान का सफल संचालन किया जा रहा है। स्वास्थ्य विभाग की टीमों द्वारा गांव-गांव जाकर सामान्य स्वास्थ्य परीक्षण के साथ कुष्ठ रोग, टीबी, कुपोषण एवं अन्य बीमारियों की भी जांच की जा रही है।

शासन के कार्यों का मूल्यांकन हेतु आयोजित है सुशासन तिहार: सांसद

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। समाज के सभी वर्गों के लोगों के सर्वांगीण विकास हेतु आम जनता को सुगम पारदर्शी सेवाएं उपलब्ध कराना छत्तीसगढ़ सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता में शामिल हैं। इसी मंशा के अनुरूप छत्तीसगढ़ सरकार के द्वारा आम जनता के बीच पहुँचकर शासन-प्रशासन के कार्यों के मूल्यांकन हेतु सुशासन तिहार 2026 का आयोजन किया जा रहा है, यह वक्तव्य कांकेर सांसद भोजराज नाग ने जिले के गुण्डरदेही विकासखण्ड के ग्राम मटिया अ में आयोजित सुशासन तिहार 2026 के अंतर्गत समाधान शिविर में कहा।

इस अवसर पर विभिन्न विभागों के अधिकारियों को मंच में तलब कर सुशासन तिहार के दौरान प्राप्त आवेदनों के निराकरण की वास्तविक स्थिति के संबंध में जानकारी ली। समारोह में गुण्डरदेही विधानसभा क्षेत्र के विधायक कुंवर सिंह निषाद, जिला पंचायत अध्यक्ष तारणी पुष्पेन्द्र चंद्राकर, जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक के उपाध्यक्ष नरेश यदु, पूर्व विधायक विरेन्द्र साहू एवं नगर पंचायत गुण्डरदेही के अध्यक्ष प्रमोद जैन के अलावा कलेक्टर श्रीमती दिव्या उमेश मिश्रा, सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी-कर्मचारीगण उपस्थित थे। मटिया अ में आयोजित समाधान शिविर में हितग्राही एवं ग्रामीणों को शासन के विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित किया गया। शिविर में आज विभिन्न विभागों से 1556 आवेदन प्राप्त हुए थे, जिसमें 1390 आवेदनों का निराकरण सुनिश्चित किया गया। इस अवसर पर सांसद नाग ने लोगों के बीच पहुँचकर धरातल पर शासन के जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन की वास्तविक स्थिति का मूल्यांकन हेतु सुशासन तिहार 2026 के आयोजन के लिए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व वाले छत्तीसगढ़ सरकार के हृदय से धन्यवाद ज्ञापित किया। उन्होंने कहा कि इस सुशासन तिहार के माध्यम से शासन-प्रशासन के लोग आम जनता के बीच पहुँचकर उनके वास्तविक समस्याओं से रूबरू हुए एवं उनकी मांगों एवं समस्याओं का समुचित निराकरण भी सुनिश्चित किया।

श्री नाग ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय द्वारा देश एवं प्रदेश को विकसित बनाने की दिशा में पूरी ईमानदारी के साथ कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि केन्द्र व राज्य सरकार एकात्म मानववाद के प्रणेता पं. दीनदयाल उपाध्याय के आदर्शों को आत्मसात कर समाज के सभी वर्गों के साथ-साथ अंतिम पंक्ति के लोगों के कल्याण हेतु कार्य कर रही है। इसके लिए केन्द्र व राज्य सरकार के द्वारा समाज के सभी वर्गों के कल्याण हेतु अनेक जनकल्याणकारी योजनाएं संचालित की जा रही है। उन्होंने कहा कि इस सुशासन तिहार के माध्यम से राज्य सरकार के द्वारा धरातल पर शासन के जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन की वास्तविक स्थिति की पड़ताल की जा रही है। श्री नाग ने शिविर में उपस्थित सभी विभागों के अधिकारी-कर्मचारियों से सुशासन तिहार 2026 के अंतर्गत विभिन्न विभागों से प्राप्त आवेदनों पर संवदेनशीलता के साथ कार्यवाही करते हुए उनका शत प्रतिशत निराकरण सुनिश्चित करने को कहा है, जिससे आम जनता को शासन के जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ मिल सके। इस अवसर पर उन्होंने केन्द्र व राज्य सरकार के द्वारा सभी वर्गों के कल्याण हेतु संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के संबंध में जानकारी ली। श्री नाग ने विभिन्न विभागों के द्वारा सुशासन तिहार 2026 के अंतर्गत प्राप्त आवेदनों के निराकरण हेतु की गई कार्यवाही के संबंध में भी जानकारी ली। उन्होंने विभिन्न विभागों के द्वारा आम जनता से प्राप्त आवेदनों के समुचित निराकरण हेतु बेहतर कार्यों की भी सराहना की। उन्होंने राज्य व केन्द्र सरकार के द्वारा आगामी खरीफ सीजन हेतु किसानों के लिए खाद, बीज की समुचित उपलब्धता, पेयजल की समुचित आपूर्ति आदि मूलभूत एवं अतिआवश्यक सेवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित कराने हेतु की जा रही कार्यों की संबंध में भी जानकारी दी।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक कुंवर सिंह निषाद ने सभी विभाग के अधिकारी-कर्मचारियों को आम जनता से प्राप्त आवेदनों का पूरी संवेदनशीलता के साथ निराकरण सुनिश्चित करने को कहा एवं विभागों द्वारा शिविर में प्राप्त आवेदनों के निराकरण हेतु की जा रही कार्यवाही की सराहना की।

कलेक्टर दिव्या उमेश मिश्रा ने कहा कि शासन के मंशानुरूप बालोद जिला प्रशासन शासकीय योजनाओं का सफल क्रियान्वयन सुनिश्चित कर इन योजनाओं का लाभ समाज के सभी वर्गों के लोगों तक पहुँचाने की दिशा में निरंतर कार्य कर रही है। शिविर में आज सांसद भोजराज नाग, विधायक कुंवर सिंह निषाद, जिला पंचायत अध्यक्ष तारणी पुष्पेन्द्र चंद्राकर एवं अन्य अतिथियों के द्वारा हितग्राहियों को प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत आवास निर्माण पूर्णता प्रमाण पत्र, श्रम कार्ड वितरण, मत्स्य पालन प्रचार योजना हितग्राहियों को मछली जाल के अलावा दिव्यांग जनों को छड़ी एवं श्रवण यंत्र भी प्रदान किया गया।

शिविर में कृषकों को डिजिटल किसान किताब, नवीन राशन कार्ड दिलाने के साथ दिव्यांगजनों के लिए दिव्यांगता प्रमाण पत्र भी बनाया गया। शिविर में अतिथियों के द्वारा नन्हें-मुन्हें बच्चों को स्वादिष्ट खीर खिलाकर उनका अन्नप्राशन संस्कार कराया गया।

दफ्तरों की भागदौड़ पर लगा ब्रेक, सिंगल विंडो ने कम की दूरी

तत्काल मिला राशन कार्ड, सुकमा में अब मिनटों में हाथ में आ रहे शासकीय दस्तावेज

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। दफ्तरों की भागदौड़ पर लगा ब्रेक, सिंगल विंडो ने कम की दूरीजिला प्रशासन की एक संवेदनशील पहल ने सुकमा के दूरस्थ अंचलों में रहने वाले ग्रामीणों के जीवन में खुशहाली की नई रोशनी बिखेरी है। कलेक्ट्रेट परिसर में नवनिर्मित 'सिंगल विंडो कक्ष' केवल एक सरकारी व्यवस्था नहीं, बल्कि आमजन के भरोसे का केंद्र बन गया है। प्रभारी मंत्री केदार कश्यप द्वारा उद्घाटित इस व्यवस्था ने प्रशासनिक पेचीदगियों को खत्म कर दिया है, जिससे अब ग्रामीणों को अपने जरूरी दस्तावेजों के लिए अलग-अलग दफ्तरों की खाक नहीं छाननी पड़ रही है।

प्रशासनिक संवेदनशीलता का सबसे भावुक दृश्य तब देखने को मिला जब पुनर्वास केंद्र से आईं मुचाकी देवे जैसे हितग्राहियों के हाथों में तुरंत राशन कार्ड थमाया गया। मुचाकी देवे की आंखों में खुशी की चमक साफदेखी जा सकती थी। उन्होंने बताया कि पहले राशन कार्ड या सरकारी पहचान पत्रों के लिए महीनों इंतजार करना पड़ता था, लेकिन यहाँ एक ही छत के नीचे उनका काम मिनटों में हो गया। उनके साथ आए 11 अन्य पुनर्वासित नागरिकों को भी आधार कार्ड, वोटर आईडी और आयुष्मान कार्ड जैसी सेवाएं तुरंत उपलब्ध कराई गईं।

कलेक्टर अमित कुमार के नेतृत्व में जिला प्रशासन ने इस नवाचार के जरिए पारदर्शिता और गति का नया मानक स्थापित किया है। जिला मुख्यालय से 41 किमी दूर मेकावाया जैसे सुदूर गांव से आईं कवासी रेशमा इस बदलाव की प्रत्यक्ष गवाह हैं। रेशमा ने बताया कि अपने परिवार का नाम राशन कार्ड में जुड़वाने के लिए उन्हें किसी भी प्रकार की असुविधा नहीं हुई। वहाँ मौजूद स्टाफ न केवल फॉर्म भरने में मदद करता है, बल्कि दस्तावेज तैयार होने तक पूरी आत्मीयता से मार्गदर्शन भी देता है।

कलेक्टर अमित कुमार ने बताया कि हमारा मुख्य उद्देश्य जिले की प्रशासनिक कार्यप्रणाली को अधिक सरल, पारदर्शी और जनोन्मुखी बनाना है। दफ्तरों की भागदौड़ पर लगा ब्रेक, सिंगल विंडो ने कम की दूरी 'सिंगल विंडो' की यह पहल इसी दिशा में एक बड़ा कदम है, ताकि सुदूर वनांचलों से आने वाले ग्रामीणों को अपने बुनियादी दस्तावेजों जैसे आधार कार्ड, राशन कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस और आयुष्मान कार्ड के लिए अलग-अलग दफ्तरों के चक्कर न काटने पड़ें।

अब एक ही छत के नीचे सभी महत्वपूर्ण हितग्राहीमूलक सेवाएं उपलब्ध होने से न केवल ग्रामीणों के समय की बचत हो रही है, बल्कि उन्हें त्वरित न्याय और सुविधा भी मिल रही है। यह 'सिंगल विंडो' सिस्टम मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के सुशासन के संकल्प को धरातल पर उतार रहा है। आंकड़े बताते हैं कि मंगलवार को ही लगभग 67 आवेदनों का निराकरण किया गया, जबकि 16 मार्च से अब तक 3620 नागरिक इस सुविधा का लाभ उठा चुके हैं।

टीबी मुक्त भारत के लक्ष्य को लेकर राज्य स्तरीय प्रशिक्षण सम्पन्न

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग तथा जपाइगो के संयुक्त तत्वावधान में रायपुर स्थित निजी होटल में टीबी रोग संबंधी राज्य स्तरीय एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में डिफ्रेंशिएटेड टीबी केयर, गर्भवती महिलाओं में टीबी प्रबंधन तथा आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में टीबी सेवाओं के समन्वय विषयों पर विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई।

प्रशिक्षण के दौरान आयुक्त सह संचालक, स्वास्थ्य सेवाएं संजीव झा ने प्रतिभागियों को भारत सरकार एवं छत्तीसगढ़ शासन के टीबी मुक्त भारत के संकल्प की याद दिलाते हुए जमीनी स्तर पर उपलब्ध संसाधनों के अनुरूप सुनियोजित कार्ययोजना बनाकर प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि टीबी के संदिग्ध मरीजों की समय पर जांच कर टीबी की पुष्टि होने पर उन्हें डिफ्रेंशिएटेड टीबी केयर के अंतर्गत अनिवार्य रूप से श्रेणीबद्ध कर उपचार उपलब्ध कराया जाए।

कार्यक्रम के दौरान टीबी मुक्त भारत अभियान-100 दिवसीय अभियान की जिलेवार समीक्षा भी की गई। राज्य क्षय अधिकारी डॉ. संजीव मेश्राम ने जिला क्षय अधिकारियों को टीबी मरीजों के संपर्क में आने वाले व्यक्तियों को शत-प्रतिशत टीबी प्रिवेंटिव ट्रीटमेंट उपलब्ध कराने तथा मरीजों को अतिरिक्त सहयोग देने के लिए अधिकाधिक निक्षय मित्र बनाने के निर्देश दिए।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में चिकित्सा महाविद्यालयों के चिकित्सा अधिकारी, विभिन्न जिलों के जिला क्षय अधिकारी, जिला कार्यक्रम समन्वयक एवं जिला पीएमडीटी समन्वयक उपस्थित रहे।

तक्षशिला लाइब्रेरी में कानूनी जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

साइबर अपराध, डिजिटल अरेस्ट, घरेलू हिंसा और पॉक्सो कानून पर दी गई महत्वपूर्ण जानकारी

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। प्रदेश में आमजन को उनके अधिकारों एवं कानूनी प्रावधानों के प्रति जागरूक बनाने के उद्देश्य से जिला विधिक सेवा प्राधिकरणों द्वारा लगातार जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, सूरजपुर द्वारा तक्षशिला लाइब्रेरी, सूरजपुर में कानूनी जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यार्थियों, युवाओं एवं नागरिकों को विभिन्न कानूनी अधिकारों, सुरक्षा उपायों तथा निःशुल्क विधिक सहायता संबंधी जानकारी प्रदान की गई।

प्रधान जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सूरजपुर के मार्गदर्शन में आयोजित कार्यक्रम में व्यवहार न्यायाधीश श्रीमती अंजली पाण्डेय मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहीं। उन्होंने जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अधिनियम 1987 के अंतर्गत उपलब्ध निःशुल्क कानूनी सहायता एवं सलाह की जानकारी देते हुए कहा कि समाज के कमजोर एवं वंचित वर्गों को न्याय सुलभ कराना विधिक सेवा प्राधिकरण का प्रमुख उद्देश्य है। कार्यक्रम में तेजी से बढ़ रहे साइबर अपराधों पर विशेष चर्चा की गई। प्रतिभागियों को बताया गया कि फर्जी कॉल, संदिग्ध लिंक, एपीके फाइल, सोशल मीडिया ठगी तथा बैंकिंग जानकारी चोरी जैसे अपराध लगातार बढ़ रहे हैं। लोगों से अपील की गई कि वे किसी भी अनजान लिंक या एप्लीकेशन को डाउनलोड न करें तथा अपनी व्यक्तिगत एवं बैंकिंग जानकारी साझा करने से बचें। डिजिटल अरेस्ट जैसे मामलों के संबंध में बताया गया कि अपराधी स्वयं को पुलिस, सीबीआई या अन्य सरकारी अधिकारी बताकर लोगों को डराने-धमकाने एवं धन की मांग करने का प्रयास करते हैं। ऐसे मामलों में घबराने के बजाय तुरंत सत्यापन कर साइबर हेल्पलाइन या पुलिस से संपर्क करने की सलाह दी गई।

कार्यक्रम में घरेलू हिंसा से जुड़े कानूनी अधिकारों एवं महिलाओं को उपलब्ध संरक्षण संबंधी प्रावधानों की जानकारी दी गई। महिलाओं को बताया गया कि मानसिक, आर्थिक अथवा शारीरिक प्रताड़ना की स्थिति में वे कानूनी सहायता प्राप्त कर सकती हैं।

इसके साथ ही पॉक्सो अधिनियम के अंतर्गत बच्चों की सुरक्षा, शोषण एवं दुर्व्यवहार से संबंधित अपराधों तथा शिकायत प्रक्रिया के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। विद्यार्थियों एवं अभिभावकों से बच्चों की सुरक्षा के प्रति सजग रहने की अपील की गई। मोटर व्हीकल एक्ट के अंतर्गत सड़क सुरक्षा संबंधी प्रावधानों पर भी चर्चा की गई। वाहन चलाते समय हेलमेट एवं सीट बेल्ट के उपयोग, नाबालिगों द्वारा वाहन न चलाने तथा यातायात नियमों के पालन का संदेश दिया गया।

मुख्यमंत्री नोनी बाबू योजना से श्रमिक परिवार की बेटियों को मिल रही नई उड़ान

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में श्रमिक परिवारों के बच्चों को शिक्षा से जोड़ने और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में संचालित मुख्यमंत्री नोनी बाबू मेधावी शिक्षा सहायता योजना सकारात्मक बदलाव का माध्यम बन रही है। आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के विद्यार्थियों को यह योजना उच्च शिक्षा की राह में संबल प्रदान कर रही है।

बलरामपुर जिले के ग्राम सरनाडीह की निवासी काजल इसकी प्रेरणादायी मिसाल हैं। श्रमिक परिवार से आने वाली सुश्री काजल वर्तमान में बीसीए प्रथम वर्ष की पढ़ाई कर रही हैं। उनके पिता कृषि मजदूरी कर परिवार का पालन-पोषण करते हैं, जबकि माता श्रीमती पूनम का श्रम पंजीयन है। सीमित आय और आर्थिक चुनौतियों के बावजूद परिवार ने बेटी की शिक्षा को प्राथमिकता दी,

लेकिन उच्च शिक्षा का खर्च परिवार के लिए बड़ी चिंता बना हुआ था।

ऐसे समय में श्रम विभाग की मुख्यमंत्री नोनी बाबू मेधावी शिक्षा सहायता योजना ने काजल के सपनों को नया सहारा दिया। योजना अंतर्गत उन्हें 20 हजार रुपये की आर्थिक सहायता प्राप्त हुई, जिससे शिक्षण शुल्क, अध्ययन सामग्री और अन्य शैक्षणिक जरूरतों को पूरा करने में मदद मिली। सुश्री काजल का कहना है कि इस सहायता से उनकी पढ़ाई निर्बाध रूप से जारी रह सकी और भविष्य को लेकर आत्मविश्वास भी बढ़ा है।

काजल ने बताया कि उनकी माता गृहणी होने के साथ मजदूरी भी करती हैं और हमेशा बच्चों की शिक्षा को सबसे अधिक महत्व देती रही हैं। उन्होंने कहा कि शासन की इस पहल से परिवार का आर्थिक बोझ कम हुआ और आगे बढ़ने का अवसर मिला। उन्होंने मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय और श्रम विभाग के प्रति आभार व्यक्त किया। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री नोनी बाबू मेधावी शिक्षा सहायता योजना के माध्यम से प्रदेशभर में श्रमिक परिवारों की हजारों बेटियां शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ रही हैं।

बलरामपुर जिले में भी इस योजना के तहत अब तक 182 विद्यार्थियों को लाभान्वित किया जा चुका है। यह योजना विद्यार्थियों को आर्थिक सहायता देने के साथ-साथ उन्हें आत्मनिर्भर बनने और अपने सपनों को साकार करने का अवसर भी प्रदान कर रही है।

रासायनिक खरपतवारनाशकों का नियंत्रित और प्रभावी उपयोग किया जाए: डॉ. नायक

कृषि विश्वविद्यालय में अखिल भारतीय खरपतवार प्रबंधन अनुसंधान परियोजना की तीन दिवसीय वार्षिक बैठक का शुभारंभ

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय में आज यहां अखिल भारतीय समन्वित खरपतवार प्रबंधन अनुसंधान परियोजना की 33वीं वार्षिक समीक्षा बैठक की शुरूआत हुई। इस तीन दिवसीय बैठक का उद्घाटन मुख्य अतिथि भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली के उप महानिदेशक डॉ. ए. के. नायक द्वारा किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में राष्ट्रीय जैविक तनाव प्रबंधन संस्थान, (आईसीएआर) बरोंडा रायपुर के निदेशक डॉ. पी. के. राय तथा डॉ. राकेश कुमार सहायक महानिदेशक आईसीएआर नई दिल्ली मौजूद थे। यह परियोजना देश के विभिन्न कृषि विश्वविद्यालयों में फसलों में खरपतवार नियंत्रण पर अनुसंधान तथा नवीनतम तकनीकों के विकास एवं उनके किसानों के बीच प्रसार हेतु भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली द्वारा जबलपुर स्थित खरपतवार अनुसंधान निदेशालय के माध्यम से चलाई जा रही है।

बैठक को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि डॉ. ए. के. नायक ने वैज्ञानिकों से खरपतवारों के रसायनिक नियंत्रण के बजाय समन्वित खरपतवार नियंत्रण को अपनाने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि रासायनिक खरपतवारनाशकों के हानिकाकरक प्रभावी को देखते हुए उन पर आधारित अनुसंधान को हतोत्साहित किया जाए। डॉ. नायक ने प्राकृतिक एवं जैविक कृषि अपनाने पर जोर देते हुए विभिन्न लाभकारी सूक्ष्मजीवों, केंचुओं तथा कीट पतंगो पर खरपतवारनाशकों के दुष्प्रभाव का अध्ययन करने की सलाह दी। कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल ने कहा कि रासायनिक खरपतवारनाशी यद्यपि खेतों में खरपतवारों के नियंत्रण करने में समर्थ है लेकिन ये पर्यावरण तथा पारिस्थितिकी तंत्र के लिए हानिकारक है अतः इनका नियंत्रित और प्रभावी उपयोग किया जाना चाहिए। खरपतवार नाशकों का अंधाधुंध उपयोग मानवों और जीव-जंतुओं के स्वास्थ्य तथा पर्यावरण के लिए नुकसानदायक है। उन्होंने कहा कि खरपतवारों के प्रबंधन के लिए केवल रसायनों पर निर्भर न रहकर यांत्रिक एवं बायोलॉजिकल नियंत्रण विधियों को प्राथमिकता देनी चाहिए। समारोह को डॉ. पी. के. राय तथा डॉ. राकेश कुमार ने भी संबोधित किया।

खरपतवार अनुसंधान निदेशालय, जबलपुर के प्रभारी डॉ. विजय कुमार चौधरी, प्रमुख वैज्ञानिक ने अखिल भारतीय समन्वित खरपतवार प्रबंधन अनुसंधान परियोजना के तहत देशभर के सभी 17 केन्द्रों में संचालित गतिविधियों एवं उपलब्धियों की जानकारी प्रस्तुत की। इस अवसर पर परियोजना के वार्षिक प्रतिवेदन 2025-26 के साथ ही अन्य प्रकाशनों का विमोचन भी किया गया।

इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के सेवानिवृत्त प्राध्यापक डॉ. एस.एस. कोल्हे को खरपतवार प्रबंधन अनुसंधान के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान हेतु लाइफ्टाइम अचिवमेंट अवार्ड से सम्मानित किया गया। पंजाब कृषि विश्वविद्यालय लुधियाना को खरपतवार प्रबंधन हेतु आईसीएआर बेस्ट सेंटर अवार्ड से सम्मानित किया गया। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के संचालक अनुसंधान एवं बैठक के आयोजन सचिव डॉ. वी.के. त्रिपाठी ने रायपुर केन्द्र में इस परियोजना के तहत किए जा रहे कार्यों एवं गतिविधियों की जानकारी दी।

गंजेपन से मुक्ति
मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी
पहले बाद में
JITU'Z
CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बेंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

GST NO. 22AHMPB9621P1Z2
PH.: 0788-4060131
अनुप ट्रेडर्स
आर्टिफिशियल ज्वेलरी के विक्रेता
लिंक रोड, कैम्प 2, पावर हाउस, भिलाई
मो. 09826389666, 8839749539

इश्क दम और इडली रसम खाना, परिवार और भावनाओं की खूबसूरत कहानी : सुरभि चंदना

अभिनेत्री सुरभि चंदना अपनी नई वेब सीरीज इश्क दम और इडली रसम को लेकर उत्साहित हैं। खास बात है कि इस सीरीज को उन्होंने को-प्रोड्यूस भी किया है। अभिनेत्री ने अपकमिंग वेब सीरीज को परिवार, प्यार, भावनाओं और सांस्कृतिक विरासत का जश्न मनाने वाली एक दिलकश कहानी बताया है।

बालाजी टेलीफिल्म्स निर्मित यह शो दर्शकों को एक पुराने साउथ इंडियन रेस्टोरेंट की भावुक कहानी के माध्यम से खाने की खुशबू, यादों और रिश्तों की गहराई दिखाएगा।

शो की कहानी एक पुराने साउथ इंडियन रेस्टोरेंट के इर्द-गिर्द घूमती है, जो टिके रहने के लिए संघर्ष कर रहा है। इस सीरीज के केंद्र में मीरा नायर हैं, जिनका किरदार शाइनी दोशी ने निभाया है।

मीरा एक भावुक शेफहै, जो मानती है कि खाना सिर्फ खाना नहीं, बल्कि सेवा, सुकून और जिम्मेदारी है। अपने दिवंगत पिता की विरासत को संभालते हुए वह रेस्टोरेंट को सिर्फ एक बिजनेस नहीं, बल्कि अपनी भावनाओं और मूल्यों का हिस्सा मानती है। कहानी आगे बढ़ती है और अभिषेक कुमार के निभाए किरदार अर्जुन ठाकुर की एंट्री होती है, जो एक शेफ और इन्वेस्टर हैं।

जब वह मीरा के रेस्टोरेंट में आता है, तो मीरा की दुनिया हिल जाती है। अर्जुन रेस्टोरेंट को फिर से खड़ा करने का वादा करते हैं, लेकिन साथ ही मीरा की उन सारी चीजों को बदलने का खतरा भी पैदा करते हैं जो उनके दिल के सबसे करीब हैं।

सुरभि ने इसे अपने करियर का नया अध्याय बताया और कहा कि वह आगे बढ़ते रहना चाहती हैं। सुरभि चंदना ने शो के बारे में बात करते हुए बताया, 'इश्क दम और इडली रसम' बालाजी टेलीफिल्म्स के साथ काम करना मेरे लिए सपने के सच होने जैसा है। यह शो मेरे लिए बहुत खास है क्योंकि इसमें दिल, अपनापन और सादगी भरपूर है। शुरुआत से ही मुझे इस प्रोजेक्ट से गहरा जुड़ाव महसूस हुआ। कैमरे के पीछे क्रिएटिव जर्नी का हिस्सा बनना और कहानी से भावनात्मक रूप से जुड़ना मेरे लिए बेहद खूबसूरत अनुभव रहा है। यह शो प्यार, परिवार, भावनाओं और संस्कृति का ताजगी भरे अंदाज में जश्न मनाता है।

वहीं, अभिषेक कुमार ने अपने किरदार अर्जुन ठाकुर के बारे में बात करते हुए कहा, यह कोई आम लव स्टोरी या टिपिकल शेफ ड्रामा नहीं है। यहां खाना लोगों की भावनाओं, नियंत्रण और अतीत को समझने का जरिया है। अर्जुन उन सबसे मुश्किल किरदारों में से एक है जिन्हें मैंने निभाया है। यह किरदार गंभीर, नियंत्रित और भावनाओं को छुपाने वाला है। इस शो के जरिए मुझे एक अभिनेता के रूप में आगे बढ़ने का मौका मिला है।

शो में शाइनी दोशी, अभिषेक कुमार के अलावा नेहा लक्ष्मी अय्यर, अमन सिंह, प्रेरणा सहगल, विजया लक्ष्मी गुरव और करण खन्ना भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। बालाजी टेलीफिल्म्स निर्मित और फील गुड स्टूडियोज की सुरभि चंदना द्वारा एक्जीक्यूटिव प्रोड्यूस किया गया 'इश्क दम और इडली रसम' 11 मई को यूट्यूब पर स्ट्रीम होगी।

पूजा हेगड़े का ग्लैमरस अवतार, बिकिनी टॉप और शॉर्ट्स में फ्लॉन्ट किया कर्वी फिगर, वायरल हुई तस्वीरें

एक्ट्रेस पूजा हेगड़े इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म है जवानी तो इश्क़ होना है को लेकर चर्चा में है। फैंस उन्हें बड़े पर्दे पर देखने के लिए बेताब हैं। वहीं अब एक्ट्रेस ने सोशल मीडिया पर अपनी कुछ ग्लैमरस फोटो शेयर कर फैंस को दीवाना बना दिया है।

पूजा हेगड़े ने इंस्टाग्राम पर अपनी कई शानदार फोटोज शेयर की हैं। जिनमें उनका लुक देखने लायक है। पूजा हेगड़े फ्लोरल प्रिंटेड बिकिनी टॉप और डेनिम शॉर्ट्स पहन कहर ढा रही हैं। एक्ट्रेस का ये कतिलाना लुक देख फैंस उनसे नजर नहीं हटा पा रहे हैं। सटल मेकअप और खुले बालों मे पूजा हेगड़े बला की हसीन दिख रही हैं।

उन्होंने कई मिरर सेल्फी ली है। शेयर की गई तस्वीरों में एक्ट्रेस काफी कॉन्फिडेंट नजर आईं। पूजा हेगड़े ने अपना कर्वी फिगर भी फ्लॉन्ट किया। उनकी ये फोटोज सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं। फैंस उनके लुक की जमकर तारीफ कर रहे हैं। अगर पूजा हेगड़े के वर्कफ्रंट की बात करें तो वो जल्द ही है जवानी तो इश्क होना है फिल्म में नजर आएंगी।

फिल्म ने वरुण धवन और मृणाल ठाकुर भी हैं। ये फिल्म 5 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस फिल्म का निर्देशन डेविड धवन कर रहे हैं।

भगवान शिव की भूमिका निभाएंगे रणवीर सिंह? जानिए किस किताब पर आधारित होगी फिल्म

'धुरंधर' में हमजा के किरदार के बाद अब रणवीर सिंह महादेव के किरदार में नजर आ सकते हैं। रणवीर की यह फिल्म एक प्रसिद्ध किताब पर आधारित होगी।

रणवीर सिंह अपनी फिल्मों में एक बड़ा बदलाव करने जा रहे हैं। वह एक प्रसिद्ध लेखक की शिव त्रयी (मेलुहा के अमर श्रृंखला) पर बनी फिल्म में नजर आएंगे। इस फिल्म में रणवीर भगवान शिव का किरदार निभाएंगे।

भगवान शिव के किरदार में रणवीर?

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, रणवीर सिंह किताब 'द इमॉर्टल्स ऑफ मेलुहा' पर आधारित फिल्म में भगवान शिव के किरदार में नजर आएंगे। रणवीर ने अपनी प्रोडक्शन कंपनी मां कसम फिल्म्स के जरिए 'द इमॉर्टल्स ऑफ मेलुहा' के अधिकार खरीद लिए हैं।

यह किताब और इसके दो सीक्वल प्राचीन मेलुहा राज्य में एक हिमालयी योद्धा की कहानी बताते हैं। रणवीर ने बिरला स्टूडियोज के साथ मिलकर इस कहानी को तीन बड़ी फिल्मों की श्रृंखला (त्रयी) के रूप में बनाने की योजना बनाई है।

कब शुरू होगी शूटिंग?

रणवीर काफी समय से इसकी कहानी को बड़े पर्दे पर लाना चाहते थे। पूरी टीम स्क्रिप्ट पर काम कर रही है। पहली फिल्म की शूटिंग 2028 में शुरू होने की उम्मीद है। फिलहाल, इस प्रोजेक्ट की डिटेल्स गुप्त रखी जा रही हैं और निर्देशक का भी फैसला नहीं हुआ है। जब स्क्रिप्ट तैयार हो जाएगी, तब निर्देशक चुना जाएगा।

'द इमॉर्टल्स ऑफ मेलुहा' के बारे में

'द इमॉर्टल्स ऑफ मेलुहा' अमीश त्रिपाठी की शिव त्रयी की पहली किताब है, जो 2010 में आई थी। इसमें शिव नाम के एक साधारण हिमालयी योद्धा की कहानी है, जो मेलुहा राज्य में आता है। कहानी पौराणिक कथाओं, इतिहास और कल्पना को मिलाकर बताती है। इसके बाद 'द सीक्रेट ऑफ द नागास' और 'द ओथ ऑफ द वायुपुत्रास' किताबें आईं। ये तीनों किताबें भारत की सबसे ज्यादा बिकने वाली श्रृंखला बन गई हैं और अब तक 25 लाख से ज्यादा किताबें बिक चुकी हैं।

'मेरे फैंस ही मेरा परिवार हैं', अमिताभ बच्चन ने सिक्योरिटी को दी खास सीख

बोले- 'फैंस के साथ प्यार से पेश आओ'

बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन काफी समय से अपने घर 'जलसा' के बाहर हर रविवार फैंस से मिलने की परंपरा निभा रहे हैं। अब उन्होंने इसी से जुड़ी एक पोस्ट शेयर की है। बिग बी के घर के बाहर हर हफ्ते बड़ी संख्या में लोग सिर्फ उनकी एक झलक पाने के लिए घंटों इंतजार करते हैं। इस रविवार भी बिग बी अपने फैंस से मिलने बाहर आए और हमेशा की तरह हाथ जोड़कर और मुस्कुराते हुए उनका स्वागत किया।

मेरे फैंस ही मेरा एक्सटेंडेड परिवार हैं

उन्होंने लिखा कि फैंस का प्यार और आशीर्वाद ही उन्हें हर दिन काम करने की ताकत देता है। बिग बी ने कहा, 'ये मेरा गर्व और सम्मान है कि इतने लोग मुझे अपना प्यार देते हैं। वही मुझे और मेहनत करने के लिए प्रेरित करते हैं। मेरे फैंस ही मेरा एक्सटेंडेड परिवार हैं।'

अमिताभ ने सिक्योरिटी टीम को दी सीख

इस दौरान अमिताभ ने अपनी सिक्योरिटी टीम को भी समझाया। उन्होंने उन्हें समझाया- 'अपने, यहां जो काम करते हैं उन्हें समझाते हुए, कि चाहने वालों के साथ, उनका व्यवहार कैसा होना चाहिए। जनता के साथ जैसा उनका व्यवहार होगा, जनता समझेगी कि ये मेरा भी स्वभाव होगा।'

घंटों इंतजार करना कोई साधारण बात नहीं

उन्होंने आगे लिखा, 'इतनी देर, इतनी धूप में, घंटों इंतजार करना, ये कोई साधारण बात नहीं है। फिर उसके बाद उनके साथ सही व्यवहार नहीं करना, ये ठीक नहीं। जानता जनार्धन होती है। स्नेह, आदर, सद्भावना उनके प्रति- बस इतना ही तो वे देखना चाहते हैं। इतना कुछ देते हैं वो, हमें प्रेम और उनकी ओर एक आदर सम्मान का दर्पण बनना चाहिए।'

अमिताभ बच्चन का वर्कफ्रंट

वर्कफ्रंट की बात करें तो अमिताभ बच्चन जल्द ही कल्कि 2898 एडी के सीक्वल में नजर आएंगे। फिल्म का निर्देशन नाग अश्विन कर रहे हैं। इसमें प्रभास और कमल हासन भी अहम भूमिकाओं में दिखाई देंगे।

ठग सुकेश के मनी लॉन्ड्रिंग केस में जैकलीन को झटका; अभिनेत्री की सरकारी गवाह बनने की मांग का ईडी ने किया विरोध

महाठग सुकेश चंद्रशेखर से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडिस को झटका लगा है। सरकारी गवाह बनने की उनकी मांग को ईडी ने खारिज किया है। साथ ही उन्हें बराबर का भागीदार कहा है।

अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडिस ने ठग सुकेश चंद्रेशेखर के 200 करोड़ रुपये के मनी लॉन्ड्रिंग मामले में सरकारी गवाह बनने की मांग की थी। उन्होंने बीते महीने इसे लेकर अदालत में याचिका दायर की थी। मगर, इस मामले में उनकी याचिका का ईडी ने विरोध किया है। ईडी ने अभिनेत्री को ठगी में बराबरी की भागीदार बताया है।

ईडी ने कहा- 'ठग के इतिहास से वाकिफ थीं'

ईडी ने जैकलीन की याचिका का विरोध करते हुए कहा कि वे पीड़ित नहीं हैं। वे महाठग के अतीत से वाकिफ थीं, इसके बावजूद तोहफे स्वीकार किए। सुकेश चंद्रशेखर की क्राइम हिस्ट्री के बारे में जानकारी होने के बाद भी वे उसके संपर्क में रही। ईडी ने कहा कि जैकलीन को गवाह का दर्जा देना न्याय का उल्लंघन होगा और अपराध की गंभीरता को कम कर देगा।

'पीड़ित होने का दावा सबूतों से बिल्कुल उलट है'

ईडी ने दिल्ली की एक अदालत को बताया कि उनके खिलाफ पर्याप्त सबूत मौजूद हैं। प्रवर्तन निदेशालय ने सोमवार को अदालत को बताया कि जैकलीन फर्नांडीज सुकेश चंद्रशेखर के आपराधिक बैकग्राउंड से पूरी तरह वाकिफ थीं, फिर भी उन्होंने उसके साथ अपना रिश्ता बनाए रखना चुना।

महंगे तोहफे कबूल किए और गैर-कानूनी तरीके से कमाए गए पैसों का कुछ हिस्सा भी इस्तेमाल किया। ईडी ने 200 करोड़ रुपये के मनी लॉन्ड्रिंग मामले में एक्ट्रेस की सरकारी गवाह बनने की अर्जी का विरोध करते हुए कहा कि खुद को पीड़ित बताने का उनका दावा, रिकॉर्ड पर मौजूद सबूतों के बिल्कुल उलट है।

जैकलीन ने क्या कहा था?

जैकलीन ने हाल ही में दिल्ली की एक अदालत को बताया कि वह इस मामले में सरकारी गवाह बनना चाहती हैं। यह कदम सुप्रीम कोर्ट द्वारा उनके खिलाफ चल रही आपराधिक कार्यवाही को रद्द करने से इनकार किए जाने के महीनों बाद उठाया गया है।

चंद्रशेखर, जो फिलहाल कई मामलों के सिलसिले में जेल में बंद हैं, लगातार यह दावा करता रहा है कि वह इस अभिनेत्री का बॉयफ्रेंड है। हालांकि, लीक हुई तस्वीरों से यह संकेत मिलता है कि दोनों एक-दूसरे को काफी करीब से जानते थे, लेकिन जैकलीन ने अदालत में यह बात दोहराई है कि सुकेश ने उन्हें गुमराह किया और उन्हें यह यकीन दिलाया कि वह एक वैध व्यवसायी हैं।

घर पर फल का जूस बनाते समय इन 5 बातों का रखें खास ध्यान, फायदे होंगे ज्यादा

आजकल बाजार में मिलने वाले फलों के जूस में अप्राकृतिक रंग और स्वाद मिलाने के साथ-साथ शक्कर भी मिलाई जाती है, जिससे उनकी पौष्टिकता कम हो जाती है। ऐसे में बेहतर होगा कि आप घर पर ही ताजे और मौसमी फलों से जूस बनाएं क्योंकि इससे आपको कई पोषक तत्व मिलेंगे। हालांकि, जूस बनाते समय कुछ बातों का ध्यान रखना जरूरी है। आइए जानते हैं कि फल का जूस बनाते समय क्या-क्या ध्यान रखना चाहिए।

ताजे और मौसमी फल चुनें

फल का जूस बनाने के लिए हमेशा ताजे और मौसमी फलों का ही चयन करें। इससे न केवल आपको भरपूर पोषण मिलेगा, बल्कि जूस की ताजगी और स्वाद भी बेहतरीन रहेगा। इसके अतिरिक्त मौसमी फल अधिक सस्ते भी होते हैं। इसके साथ ही जूस बनाते समय फल को काटने से पहले उसे अच्छे से धो लें ताकि उस पर लगे कीटाणु और कीटनाशक आदि दूर हो जाएं। इस प्रकार जूस बनाने के लिए सही फलों का चयन करें।

मौसम के अनुसार चुनें फल का जूस

अगर आपके घर में छोटे बच्चे हैं तो उनके लिए जूस बनाते समय मौसम के अनुसार ही फल चुनें। उदाहरण के लिए गर्मियों में तरबूज, खरबूज और आम का जूस बनाना अच्छा है, जबकि बारिश के मौसम में संतरे, लीची, अनार और अंगूर आदि का जूस बनाना बेहतर है, वहीं सर्दियों में अनार, संतरा, अंगूर और सेब आदि का जूस बनाएं। इससे बच्चों को ताजगी और ऊर्जा मिलेगी, साथ ही वे बीमारियों से भी दूर रहेंगे।

चीनी का प्रयोग न करें

फल अपने आप में मीठे होते हैं और फल का जूस बनाते समय आपको चीनी का इस्तेमाल करने की जरूरत नहीं है। दरअसल, फल का जूस बनाने के लिए लोग अक्सर शक्कर डालते हैं, लेकिन इससे जूस की पौष्टिकता कम हो जाती है। ऐसे में बेहतर होगा कि आप चीनी की बजाय फल की मिठास पर ध्यान दें। अगर आपको फल का जूस थोड़ा फीका लगता है तो उसमें थोड़ा शहद मिलाएं।

जूस बनाते समय पानी का इस्तेमाल है गलत

अगर आप फल का जूस बनाने के लिए फल को जूसर में डालते समय पानी डालते हैं तो यह आपकी सबसे बड़ी गलती हो सकती है। इससे जूस की पौष्टिकता कम हो जाती है। इसलिए आप चाहें तो फल को जूसर में डालकर उसे मिक्सर ग्राइंडर कर सकते हैं। इससे आपके जूस में किसी भी तरह का पोषक तत्व कम नहीं होगा। हालांकि, अगर आप मिक्सर ग्राइंडर का इस्तेमाल करते हैं तो उसमें पानी की जगह बर्फ डालें।

जूस बनाने के बाद इसे स्टोर करने की गलती न करें

अगर आप फल का जूस बनाकर उसे कुछ घंटों बाद पीते हैं तो ऐसा करने से बचें क्योंकि इससे जूस के पोषक तत्व खत्म हो जाते हैं। दरअसल, जूस बनाने के बाद कुछ मिनट तक ही उसका सेवन करना चाहिए। अगर आप ऐसा नहीं कर पा रहे हैं तो जूस को एयरटाइट कंटेनर में भरकर फ्रिज में स्टोर कर सकते हैं। इससे जूस का स्वाद और उसकी पौष्टिकता बरकरार रहेगी।

खास खबर

निःशुल्क फिजियोथेरेपी सेंटर बना उम्मीद की नई किरण

रायपुर। आधुनिक फिजियोथेरेपी केंद्र गंभीर बीमारियों से जूझ रहे बच्चों और बुजुर्गों के लिए आशा की किरण बन रहे हैं। ये केंद्र उन्नत तकनीकों, व्यक्तिगत व्यायाम और विशेषज्ञ देखभाल के माध्यम से गतिशीलता, दर्द में कमी और जीवन की गुणवत्ता में सुधार कर रहे हैं। समग्र शिक्षा अभियान के अंतर्गत विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए जिला गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही में निरंतर संवेदनशील और प्रभावी प्रयास किए जा रहे हैं। इसी अभियान ने एक मासूम बच्ची के जीवन को नई दिशा दी और उसे आत्मनिर्भरता, आत्मविश्वास तथा सफलता की नई उड़ान प्रदान की। प्राथमिक शाला डुमरिया की छात्रा कु. महेश्वरी आज जिले के लिए प्रेरणा का प्रतीक बन चुकी हैं। एक समय ऐसा था जब वह ठीक से चल भी नहीं पाती थीं। उनके दाहिने पैर की मांसपेशियाँ अत्यंत कमजोर थीं, जिसके कारण दौड़ना तो दूर, सामान्य दैनिक कार्य करना भी उनके लिए चुनौतीपूर्ण था।

01 जुलाई से मनरेगा की जगह लेगी 'वीबी जीरामजी' योजना

अम्बिकापुर। केंद्र सरकार ने ग्रामीण विकास के क्षेत्र में बड़ा बदलाव करते हुए महात्मा गांधी नरेगा के स्थान पर 'विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार एवं आजीविका मिशन (ग्रामीण) अधिनियम 2025' को 1 जुलाई 2026 से लागू करने की घोषणा की है। नए कानून के प्रभावी होते ही मनरेगा योजना समाप्त हो जाएगी। नई योजना का उद्देश्य केवल मजदूरी आधारित रोजगार तक सीमित नहीं है, बल्कि गांवों में स्थायी विकास और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देना है। इसके तहत जल संरक्षण, आधारभूत संरचना, आजीविका संवर्धन, जलवायु अनुकूल कार्य और स्थानीय संसाधनों के विकास पर विशेष जोर दिया जाएगा। नई व्यवस्था में प्रत्येक ग्रामीण परिवार को साल में 125 दिनों तक रोजगार की गारंटी मिलेगी, जो मनरेगा में 100 दिन थी। रोजगार के लिए आवेदन ग्राम पंचायतों के माध्यम से होगा और 15 दिनों के भीतर काम उपलब्ध कराना अनिवार्य किया गया है।

जनगणना 2027 के प्रथम चरण का कार्य प्रगति पर

महासमुंद। जनगणना 2027 के प्रथम चरण अंतर्गत मकान सूचीकरण एवं भवन गणना का कार्य जिले में 01 मई से 30 मई 2026 तक संचालित किया जा रहा है। इसी क्रम में कलेक्टर एवं प्रमुख जनगणना अधिकारी विनय कुमार लंगेह के मार्गदर्शन में जनगणना कार्य को निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण कराने हेतु अतिरिक्त जिला जनगणना अधिकारी सचिन भुतड़ा द्वारा जिले के विभिन्न चार्ज क्षेत्रों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान ग्रामीण एवं नगरीय बसना तथा सरायपाली क्षेत्रों के सुपरवाइजर्स की बैठक लेकर जनगणना कार्यों की समीक्षा की गई। बैठक में उन्होंने सभी सुपरवाइजर्स को निर्देशित किया कि प्रगणकों के माध्यम से सही एवं गुणवत्ता पूर्ण जानकारी संकलित करते हुए कार्य को समय-सीमा में पूर्ण कराया जाए।

जनसमस्या निवारण शिविर बना जनसेवा का प्रभावी माध्यम

खाद्य मंत्री दयालदास बघेल ने सुनी ग्रामीणों की समस्याएं, योजनाओं से अनेक हितग्राही हुए लाभान्वित

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। शासन की मंशानुसार आम जनता की समस्याओं के त्वरित निराकरण एवं शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के उद्देश्य से बेमेतरा जिले के ग्राम नारायणपुर में विशाल जनसमस्या निवारण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में बड़ी संख्या में ग्रामीण अपनी समस्याएं और मांगें लेकर पहुंचे। यह शिविर ग्रामीणों के लिए अपनी लंबित समस्याओं के समाधान का एक प्रभावी मंच साबित हुआ। कार्यक्रम की मुख्य विशेषता प्रदेश के खाद्य मंत्री दयाल दास बघेल की गरिमामयी उपस्थिति रही।

मंत्री श्री बघेल ने स्वयं शिविर में पहुंचकर आमजनों की समस्याएं सुनीं तथा विभागीय अधिकारियों से आवेदनों के निराकरण की स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि आम जनता की समस्याओं का निराकरण प्राथमिकता के आधार पर सुनिश्चित किया जाए। खाद्य मंत्री बघेल ने शिविर में उपस्थित ग्रामीणों से आत्मीय संवाद करते हुए उनकी समस्याओं, मांगों और आवश्यकताओं को गंभीरता से सुना। उन्होंने मौके पर ही संबंधित विभागीय अधिकारियों को त्वरित निराकरण के निर्देश दिए। मंत्री श्री बघेल ने कहा कि शासन का उद्देश्य केवल योजनाएं बनाना नहीं, बल्कि उन योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक पहुंचाना है। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि वे अपने विभागों की योजनाओं, सेवाओं एवं कार्यक्रमों का व्यापक प्रचार-प्रसार करें ताकि अधिक से अधिक लोग लाभान्वित हो सकें। उन्होंने ग्रामीणों को प्रेरित करते हुए कहा कि वे अपनी समस्याओं और आवश्यकताओं से प्रशासन को अवगत कराएं। शासन समाज के प्रत्येक वर्ग के कल्याण एवं उत्थान के लिए निरंतर कार्य कर रहा है।

शिविर में राजस्व, कृषि, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, स्वास्थ्य, महिला एवं बाल विकास सहित विभिन्न विभागों द्वारा स्टॉल लगाए गए थे। इन स्टॉलों के माध्यम से ग्रामीणों को विभागीय योजनाओं की जानकारी दी गई तथा पात्र हितग्राहियों को योजनाओं से लाभान्वित भी किया गया। शिविर में राशन कार्ड निर्माण, पेंशन प्रकरण, सीमांकन एवं अन्य जनसमस्याओं से संबंधित कई मामलों का मौके पर ही निराकरण किया गया। त्वरित समाधान मिलने से ग्रामीणों के चेहरों पर संतोष एवं खुशी स्पष्ट दिखाई दी। ग्रामीणों ने प्रशासन की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के शिविरों से उन्हें सीधे राहत मिल रही है। कार्यक्रम के दौरान खाद्य मंत्री दयालदास बघेल ने कक्षा 12वीं बोर्ड परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यालय के पांच विद्यार्थियों को 10-10 हजार रुपए की प्रोत्साहन राशि प्रदान कर सम्मानित किया।

जनता की सेवा निस्वार्थ भाव से करें - मंत्री बघेल

मंत्री बघेल ने कहा कि राज्य सरकार का मुख्य उद्देश्य अंतिम पंक्ति के व्यक्ति तक शासन की योजनाओं का लाभ पहुंचाना है। जनसमस्या निवारण शिविरों के माध्यम से प्रशासन को सीधे जनता के द्वार तक लाया गया है, ताकि ग्रामीणों को अपने जायज कार्यों के लिए दफ्तरों के चक्कर न लगाने पड़ें। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार समाज के हर वर्ग को मुख्यधारा से जोड़कर उनके जीवन में खुशहाली और तरक्की लाने का सतत प्रयास कर रही है। शिविर में नारायणपुर क्लस्टर एवं आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में ग्रामीण पहुंचे थे। ग्रामीणों ने कहा कि मंत्री बघेल की उपस्थिति से अधिकारियों की संवेदनशीलता और जवाबदेही बढ़ी है तथा उन्हें विश्वास है कि उनकी समस्याओं का शीघ्र समाधान होगा। इस अवसर पर जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी, स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण जन उपस्थित रहे। जनसमस्या निवारण शिविर सुशासन, पारदर्शिता और जनकल्याण की दिशा में एक प्रभावी पहल के रूप में सामने आया।

गंगालूर जनसमस्या निवारण शिविर में उमड़ा जनसैलाब

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ के बस्तर संभाग में 1 मई 2026 से शुरू हुआ स्वस्तर मुत्रेश् (अग्रणी बस्तर) अभियान ग्रामीण क्षेत्रों में विकास की एक नई इबारत लिख रहा है। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य सुदूर और नक्सल प्रभावित क्षेत्रों के हर पात्र परिवार तक सरकारी योजनाओं का शत-प्रतिशत लाभ पहुंचाना है।

सुशासन तिहार के अंतर्गत बीजापुर जिले के गंगालूर में आयोजित विशाल जनसमस्या निवारण शिविर ग्रामीणों के लिए वरदान साबित हुआ। इस शिविर में गंगालूर सहित डोडीतुमनार, गमपुर, पीड़िया, और मेटापाल जैसे दूरस्थ गांवों के हजारों ग्रामीणों ने हिस्सा लिया। शिविर की सफलता शासन-प्रशासन के प्रति आम जनता के बढ़ते अटूट विश्वास का प्रमाण बनी।

कलेक्टर बीजापुर विश्वदीप ने सभी विभागीय स्टॉलों का सघन निरीक्षण किया। उन्होंने न केवल प्राप्त आवेदनों की समीक्षा की, बल्कि अधिकारियों को समस्याओं के त्वरित निराकरण हेतु कड़े निर्देश भी दिए। शिविर की एक बड़ी उपलब्धि ऑन-द-स्पॉट लर्निंग ड्राइविंग लाइसेंस बनाने की सुविधा रही, जिसके लिए कलेक्टर ने विशेष पहल की।

ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कलेक्टर ने कहा कि सुशासन तिहार का मूल ध्येय केंद्र और राज्य सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना है। उन्होंने ग्रामीणों से आग्रह किया कि वे जागरूक बनें और विभागीय स्टॉलों के माध्यम से योजनाओं की पूरी जानकारी प्राप्त करें।

प्रशासन की संवेदनशीलता को रेखांकित करते हुए बताया गया कि बस्तर मुन्ने (अग्रणी बस्तर) अभियान के माध्यम से अब राशन कार्ड, आधार कार्ड और आयुष्मान कार्ड जैसे आवश्यक दस्तावेज बनाने के लिए ग्रामीणों को भटकना नहीं पड़ेगा; प्रशासन स्वयं गांव-गांव पहुंचकर इन्हें तैयार कर रहा है। इसके साथ ही प्रधानमंत्री आवास, महतारी वंदन और पीएम किसान जैसी योजनाओं की राशि सीधे बैंक खातों में भेजी जा रही है। जिन ग्रामीणों के बैंक खाते नहीं खुले हैं, उनके खाते खुलवाने हेतु शिविर में विशेष काउंटर लगाए गए। पुलिस अधीक्षक डॉ. जितेन्द्र यादव ने ग्रामीणों से अपील की कि वे मुख्यधारा की योजनाओं से जुड़ें और क्षेत्र के विकास में प्रशासन का सक्रिय सहयोग करें।

शिविर में बड़ी संख्या में हितग्राहियों को लाभान्वित किया गया। वनाधिकार पत्र 103 हितग्राहियों को व्यक्तिगत वनाधिकार पत्र प्रदान किए गए। नक्सल प्रभावित दो परिवारों को प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत नए घर की प्रतीकात्मक चाबी सौंपी गई। 28 श्रम कार्ड, नए राशन कार्ड, जाति प्रमाण पत्र और मृदा परीक्षण कार्ड वितरित किए गए। मत्स्य विभाग द्वारा मछुआरों को जाल और आईस बॉक्स जैसी उपयोगी सामग्री भेंट की गई।

महतारी जतन योजना से मिली राशि उज्जवल भविष्य का बनेगी सहारा

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। प्रदेशव्यापी सुशासन तिहार के अंतर्गत बिलासपुर में आयोजित समाधान शिविर में श्रमिक ज्योति गोंड को श्रम विभाग की मिनीमाता महतारी जतन योजना से 20 हजार रुपए मिले हैं। राजकिशोर नगर के हरसिंगार भवन में आयोजित समाधान शिविर में कई लोगों की समस्याओं और मांगों का समाधान किया गया। साथ ही पात्र हितग्राहियों को मौके पर ही शासन की विभिन्न योजनाओं का लाभ प्रदान किया गया।

मिनीमाता महतारी जतन योजना के तहत 20 हजार रुपए मिलने पर प्रसन्नचित्त श्रमिक ज्योति गोंड ने कहा कि वह इसका उपयोग बेटी का भविष्य सुरक्षित करने में करेंगी। इस राशि को सुकन्या समृद्धि योजना में निवेश करेंगी। ज्योति ने कहा कि सरकार की जनहितैषी योजनाएं वास्तव में जरूरतमंद परिवारों तक पहुंच रही हैं। सुशासन तिहार में न केवल लोगों की समस्याओं का त्वरित समाधान हो रहा है।

समाधान शिविर में मिनटों में बना आयुष्मान कार्ड

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। गांव के चौपाल में लग रहे समाधान शिविर इस बार सिर्फ सरकारी औपचारिकता नहीं, बल्कि लोगों की उम्मीदों का केंद्र बन गए है। जैजैपुर विकासखंड के ग्राम पंचायत रायपुरा में आयोजित सुशासन तिहार 2026 के समाधान शिविर में उस वक्त एक भावुक पल देखने को मिला, जब गांव की रहने वाली निर्मला साहू को मौके पर ही आयुष्मान कार्ड सौंपा गया। कार्ड हाथ में आते ही उनके चेहरे पर राहत और संतोष साफ दिखाई देने लगा।

अब तक बीमारी और इलाज का नाम सुनते ही आर्थिक चिंता सताने लगती थी, लेकिन आयुष्मान कार्ड मिलने के बाद निर्मला साहू को भरोसा मिल गया है कि जरूरत पड़ने पर उन्हें इलाज के लिए भटकना नहीं पड़ेगा। उन्होंने खुशी जाहिर करते हुए कहा कि अब परिवार को गंभीर बीमारी की स्थिति में भी इलाज की चिंता नहीं होगी, क्योंकि योजना के तहत प्रतिवर्ष 5 लाख रुपये तक का निःशुल्क उपचार मिल सकेगा।

प्रधानमंत्री आवास निर्माण में तेजी लाने जिलों में विशेष अभियान

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के सुशासन और ग्रामीण विकास के संकल्प के अनुरूप प्रदेश में प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत स्वीकृत आवासों के निर्माण कार्यों में तेजी लाने के लिए जिला प्रशासन लगातार सक्रिय पहल कर रहा है। इसी कड़ी में बलरामपुर जिले के ग्राम पंचायत बदौली में विशेष जन चौपाल एवं समीक्षा बैठक आयोजित कर हितग्राहियों से सीधा संवाद किया गया।

जिला पंचायत सीईओ नयनतारा सिंह तोमर ने ग्राम पंचायत बदौली, कुन्दीकला एवं शिवपुर के प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के हितग्राहियों से आवास निर्माण की प्रगति की जानकारी ली और लंबित कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने अप्रारंभ आवासों को तत्काल शुरू करने तथा एक सप्ताह के भीतर निर्माण कार्य में स्पष्ट प्रगति लाने को कहा। बैठक में निर्माणाधीन आवासों को चरणबद्ध रूप से शीघ्र पूरा करने पर विशेष जोर दिया गया। प्लिंथ से टॉप स्तर तक पहुंचे आवासों को आगामी 15 दिनों के भीतर पूर्ण करने तथा टॉप लेवल के बाद 10 दिनों के भीतर सेंटिंग एवं ढलाई कार्य सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। हितग्राहियों को समय पर निर्माण पूरा करने के लिए प्रोत्साहित भी किया गया।

जिला पंचायत सीईओ ने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि हितग्राहियों को तकनीकी मार्गदर्शन, निर्माण संबंधी सलाह और आवश्यक सहयोग समय पर उपलब्ध कराया जाए, ताकि पात्र परिवारों को शीघ्र पक्का आवास मिल सके। समीक्षा बैठक के दौरान ग्राम पंचायत सिधमा एवं खोखनिया के सचिवों की अनुपस्थिति पर नाराजगी व्यक्त करते हुए संबंधित अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए गए।

बीजापुर में तेंदूपत्ता संग्रहण का आगाज, 5,500 रुपये प्रति मानक बोरा की दर से खरीदी शुरू

संग्राहकों के लिए सामाजिक सुरक्षा और प्रोत्साहन का बड़ा अवसर

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ के वनांचल क्षेत्रों में वर्ष 2026 के लिए तेंदूपत्ता संग्रहण का आगाज (शुरुआत) हो चुका है, जो स्थानीय वनवासी और ग्रामीण परिवारों के लिए संग्राहकों के लिए सामाजिक सुरक्षा और प्रोत्साहन का बड़ा अवसरआजीविका का मुख्य जरिया बनता है। पंजीकृत संग्राहक परिवारों को चरण पादुका योजना और बीमा योजना का लाभ मिल रहा है।

छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में हरा सोना कहे जाने वाले तेंदूपत्ते के संग्रहण का सीजन 2026 आधिकारिक रूप से शुरू हो गया है। जिला यूनियन बीजापुर के अंतर्गत 28 प्राथमिक वनोपज सहकारी समितियों के 582 फड़ों में संग्रहण कार्य युद्ध स्तर पर जारी है। शासन द्वारा इस वर्ष 5,500 रुपये प्रति मानक बोरा (5.50 रुपये प्रति गड्डी) की आकर्षक दर निर्धारित की गई है।

वनोपज सहकारी समितियों ने संग्राहकों से अपील की है कि वे केवल उच्च गुणवत्ता वाले पत्तों का ही संग्रहण करें। चिकने, सपाट, बिना रूंआ वाले और साफ पत्तों की 50-50 की गड्डियां। बहुत छोटे, मोटे, कटे-फटे, कीड़े लगे या दागदार पत्ते स्वीकार नहीं किए जाएंगे। अच्छी गुणवत्ता और अधिक मात्रा में विक्रय करने पर संग्राहकों को पारिश्रमिक के साथ अतिरिक्त बोनस भी दिया जाएगा। 500 गड्डी से अधिक संग्रहण करने वाले परिवारों के लिए शासन ने राजमोहिनी देवी तेंदूपत्ता संग्राहक सामाजिक सुरक्षा योजना के तहत महत्वपूर्ण लाभ सुनिश्चित किए हैं। मुखिया की सामान्य मृत्यु होने पर 2 लाख रूपए और दुर्घटना में मृत्यु होने पर 4 लाख रूपए की सहायता। परिवार के अन्य सदस्य की मृत्यु होने पर 12 हजार रूपए की तत्काल सहायता राशि। तेंदूपत्ता संग्राहक परिवारों के बच्चों के भविष्य को संवारने के लिए शिक्षा प्रोत्साहन योजनाएं भी लागू की गई हैं। 10वीं और 12वीं कक्षा में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले एक छात्र और एक छात्रा को विशेष छात्रवृत्ति समिति स्तर पर मेधावी छात्रवृत्ति के रूप में प्रदा की जाती है। उच्च और व्यावसायिक शिक्षा ग्रहण कर रहे विद्यार्थियों को नियमित छात्रवृत्ति। 75 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को अलग से शिक्षा प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाएगी।

व्यापक संग्रहण क्षेत्र

जिले के पामेड़, पुजारीकांकेर, उसूर, हीरापुर, चेरामंगी, इलमिड़ी, भद्रकाली, चेरपल्ली, माटवाड़ा, भैरमगढ़, कुटरू और करकेली सहित 45 लॉटों में संग्रहण का कार्य सुचारू रूप से संचालित किया जा रहा है। अधिकारियों ने सभी तेंदूपत्ता संग्राहकों से आग्रह किया है कि वे इस सीजन का अधिकतम लाभ उठाएं और शासन की कल्याणकारी योजनाओं से जुड़कर अपनी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ करें।

शिविका पांडेय बनीं राज्य स्तरीय स्केटिंग चैंपियन

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। शिविका पांडेय बनीं राज्य स्तरीय स्केटिंग चैंपियनरायपुर के सरोना स्थित निजी पब्लिक स्कूल के स्केटिंग ग्राउंड में 9 एवं 10 मई 2026 को प्रथम छत्तीसगढ़ राज्य स्तरीय रोलर स्पोर्ट्स रैंकिंग चैंपियनशिप का सफल आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में बिलासपुर की होनहार खिलाड़ी शिविका पांडेय ने अपनी प्रतिभा और अदम्य साहस का लोहा मनवाते हुए राज्य स्तरीय चैंपियन का खिताब अपने नाम किया।

शिविका ने 10 से 12 वर्ष आयु वर्ग के दूवॉय इनलाइन स्केट स्पर्धा में हिस्सा लिया। 9 मई को आयोजित 400 मीटर रेस के दौरान वे गंभीर रूप से चोटिल हो गई थीं, लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी और घायल अवस्था में ही रेस पूरी कर कांस्य पदक जीता। अगले ही दिन, उसी चोट और दर्द के बावजूद, शिविका ने 200 मीटर रेस में असाधारण प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक हासिल किया और अपने आयु वर्ग की ओवरऑल चैंपियन बनीं। शिविका पांडेय बिलासपुर के बिरला ओपन माइंड्स इंटरनेशनल स्कूल की छठवीं कक्षा की छात्रा हैं और रॉयल स्केटिंग क्लब, बिलासपुर में नियमित प्रशिक्षण प्राप्त करती हैं। उनकी इस सफलता पर उनके परिवार में हर्ष का माहौल है। शिविका के माता-पिता चिकित्सा क्षेत्र से जुड़े हुए हैं। डॉ. श्वेता पांडेय आयुर्वेद चिकित्साधिकारी हैं और डॉ. विद्या भूषण पांडेय (विभागाध्यक्ष - बालरोग विभाग), शासकीय आयुर्वेद चिकित्सालय महाविद्यालय, बिलासपुर में पदस्थ हैं। शिविका स्वयं स्वर्ण प्राशित (आयुर्वेदिक इम्युनिटी बूस्टर प्राप्त) हैं। उनके पिता डॉ. विद्या भूषण पांडेय नियमित रूप से स्वर्ण प्राशन शिविरों का आयोजन कर बच्चों के स्वास्थ्य संवर्धन के क्षेत्र में सक्रिय हैं।

CAR DECOR
House Of Exclusive
Seat Cover,
Car Stereos Matting &
Sun Control Film &
Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower,
Opp. Indian Coffee House,
Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

SAIRAM
Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़कों की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES
FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden)
Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles,
CPVC Pipes &
Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

खास खबर

कुसमुंडा क्षेत्र से लापता हुई युवती का नदी में मिला शव

कोरबा। कुसमुंडा थाना अंतर्गत खम्हरिया वैशालीनगर निवासी 24 वर्षीय युवती निर्मला यादव 3 दिन पहले शनिवार की देर शाम 7 बजे घर से लापता हो गई थी। परिजन ने उसकी खोजबीन की लेकिन वह नहीं मिली। उन्होंने कुसमुंडा थाना में युवती के लापता होने की सूचना दी थी, साथ ही उसके मानसिक रूप से परेशान होने की जानकारी दी। पुलिस पतासाजी में जुटी थी। इस बीच मंगलवार की सुबह खम्हरिया के करीब पाली-पोड़ी बसाहट के पीछे अहिरन नदी में उसका शव मिला। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। नदी से शव को बाहर निकालकर मर्ग कायम कर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। कुसमुंडा थाना प्रभारी मृत्युंजय पांडेय के मुताबिक मामले में जांच की जा रही है।

खाना बनाते समय घर में लगी आग, लाखों का सामान जलकर खाक

सरगुजा। जिले से बड़ी खबर सामने आई है। दरिमा थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत मोहनपुर में खाना बनाते समय एक घर में अचानक आग लग गई। आग इतनी तेजी से फैली कि देखते ही देखते पूरा घर उसकी चपेट में आ गया। जानकारी के अनुसार, घर की महिला गैस चूल्हे पर दाल चढ़ाकर किसी काम से बाहर गई थी। इसी दौरान अचानक आग भड़क उठी और पूरे घर में फैल गई। आग लगने से घर में रखा गेहूं, अनाज समेत घरेलू उपयोग का सामान जलकर राख हो गया। घटना के दौरान परिवार के लोगों ने किसी तरह भागकर अपनी जान बचाई। हालांकि आग से लाखों रुपये के नुकसान की बात सामने आ रही है। घटना के बाद पीड़ित परिवार गहरे सदमे में है। आग लगने की सूचना मिलते ही आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और आग बुझाने का प्रयास किया। वहीं ग्रामीणों ने प्रशासन से पीड़ित परिवार को मुआवजा और राहत सामग्री उपलब्ध कराने की मांग की है।

दाबेली सेंटर संचालक की संदिग्ध मौत, झारखंड में मिली लाश

अंबिकापुर। सरगुजा जिले के अंबिकापुर शहर के प्रसिद्ध टुनटुन दाबेली सेंटर के संचालक अमन ओझा की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत से इलाके में सनसनी फैल गई है। अमन ओझा का शव झारखंड के रंका क्षेत्र में मिला, जबकि उनकी बाइक छत्तीसगढ़ के बलरामपुर जिले के रामानुजगंज क्षेत्र में बरामद हुई है। सरगुजा पुलिस झारखंड पुलिस के साथ मिलकर पूरे मामले की जांच में जुट गई है। अमन ओझा पिछले कुछ दिनों से सोशल मीडिया पर किए गए पोस्ट और वीडियो को लेकर चर्चा में थे। उन्होंने एक मुस्लिम युवक पर अपनी पत्नी को भगाकर ले जाने का आरोप लगाया था। साथ ही खुद की हत्या की आशंका जताते हुए लगातार धमकियां मिलने की बात भी कही थी। परिजनों और स्थानीय लोगों का आरोप है कि अमन ओझा ने धमकी मिलने की शिकायत अंबिकापुर कोतवाली थाना में दर्ज कराई थी, लेकिन पुलिस ने मामले को गंभीरता से नहीं लिया। अब शव मिलने के बाद पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठ रहे हैं। शव के सिर पर गंभीर चोट के निशान मिले हैं, जिससे हत्या की आशंका और गहरा गई है।

नया रायपुर के ट्रिपल आईटी हॉस्टल में चोरी

रायपुर। नया रायपुर स्थित ट्रिपल आईटी परिसर में चोरी की बड़ी घटना सामने आई है। अज्ञात चोर हॉस्टल में घुसकर करीब 15 लैपटॉप चोरी कर फ़रार हो गए। घटना के बाद संस्थान की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर छात्रों में नाराजगी देखी जा रही है। मामला राखी थाना क्षेत्र का बताया जा रहा है। चोर हॉस्टल में कामकाज का बहाना बनाकर अंदर दाखिल हुए। उस समय अधिकांश छात्र परीक्षा देने गए हुए थे। इसी दौरान आरोपियों ने कमरों से इलेक्ट्रॉनिक सामान, विशेष रूप से लैपटॉप, चोरी कर लिए और मौके से फरार हो गए। घटना से जुड़ा एक संदिग्ध व्यक्ति परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हुआ है।

दुर्ग में आधी रात हत्या : 9 आरोपियों को पुलिस ने पकड़ा, बहन से छेड़छाड़ की बात आई सामने

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। कोतवाली थाना क्षेत्र में सोमवार-मंगलवार दरमियानी रात को युवक की हत्या के मामले में पुलिस ने अब तक 9 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। युवक की हत्या की वजह लड़की से छेड़छाड़ व पुरानी रंजिश बताई जा रही है। आरोपियों द्वारा लाठी-डंडा एवं धारदार हथियार से हमला किया गया। घटना में घायल युवक की उपचार के दौरान मौत हुई और एक घायल का अस्पताल में उपचार जारी है। पुलिस ने मौके से लाठी, डंडा, धारदार हथियार, पत्थर एवं ईंट बरामद किया है।

पुलिस के अनुसार सोमवार की रात लगभग 10:30 बजे थाना दुर्ग क्षेत्र अंतर्गत गया नगर दुर्ग में प्रार्थी पक्ष एवं आरोपी पक्ष के मध्य बहन को छेड़ने की बात को लेकर विवाद हुआ था। पूर्व से चले आ रहे पुराने विवाद के कारण आधीरात के बाद लगभग 1 बजे आकाश उर्फ अक्कू, बिट्टू सारथी, आर्यन गुप्ता, लक्की सारथी एवं अन्य साथियों द्वारा प्रार्थी पक्ष के लोगों के साथ हाथ-मुक्का, लाठी-डंडा, बल्ला एवं धारदार हथियार से मारपीट की गई।

घटना में जितेश उर्फरितेश ठाकुर, उम्र 23 वर्ष निवासी गया नगर दुर्ग, राहुल ठाकुर, नवीन ठाकुर एवं भोला यादव को गंभीर चोटें आईं। घायल जितेश उर्फ रितेश ठाकुर को उपचार हेतु जिला शासकीय अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों द्वारा उसे मृत घोषित किया गया। घायल राहुल ठाकुर का उपचार अस्पताल में जारी है। मामले में थाना दुर्ग द्वारा अपराध पंजीबद्ध कर त्वरित कार्यवाही करते हुए अब तक 09 आरोपीगणों को गिरफ्तार किया गया है। प्रकरण में वैधानिक कार्यवाही एवं विवेचना जारी है।

उक्त कार्यवाही में थाना दुर्ग पुलिस टीम की त्वरित एवं प्रभावी कार्यवाही रही। प्रकरण में आरोपियों की गिरफ्तारी एवं साक्ष्य संकलन हेतु पुलिस टीम द्वारा सतत कार्रवाई की जा रही है। दुर्ग पुलिस आम नागरिकों से अपील करती है कि आपसी विवाद की स्थिति में कानून हाथ में न लें तथा किसी भी प्रकार की आपराधिक गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को दें। कानून व्यवस्था भंग करने वालों के विरुद्ध सख्त वैधानिक कार्यवाही की जाएगी।

गिरफ्तार आरोपियों के नाम

- आकाश यादव उर्फ अक्कू, उम्र 25 वर्ष, निवासी गया नगर गली नंबर 2 वार्ड क्रमांक 3 दुर्ग।
- विजय सारथी उर्फ बिट्टू, उम्र 26 वर्ष, निवासी मठपारा सारथी मोहल्ला वार्ड क्रमांक 3 दुर्ग।
- आर्यन गुप्ता, उम्र 20 वर्ष, निवासी गिरधारी नगर हरनाबांधा मुक्तिधाम के पीछे दुर्ग।
- लकी सारथी, उम्र 17 वर्ष, निवासी मठपारा बजरंगबली मंदिर के पास दुर्ग।
- भूपेंद्र सारथी उर्फ बनू, उम्र 19 वर्ष, निवासी मठपारा सारथी मोहल्ला कबड्डी ग्राउंड के पास दुर्ग।
- ललित यादव, उम्र 23 वर्ष, निवासी मुंबई आवास उरला मकान नंबर 12 थाना मोहन नगर जिला दुर्ग
- युवराज सारथी, उम्र 18 वर्ष, निवासी चंडी मंदिर के पास मठपारा ग्राउंड दुर्ग ।
- बलराम उर्फ बाली, उम्र 22 वर्ष, निवासी सारथी मोहल्ला मठपारा चंडी मंदिर दुर्ग ।
- नागेश यादव उर्फ नग, उम्र 20 वर्ष, निवासी मठपारा चंडी मंदिर के पास दुर्ग ।

नाबालिग से रेप करने वाले को 20 साल की जेल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़ में शादी का झांसा देकर ले गया था पुरी 5 दिनों तक किया दुष्कर्म

रायगढ़। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में नाबालिग का अपहरण कर उसके साथ लगातार दुष्कर्म करने वाले आरोपी करन डोम को पॉक्सो एक्ट के विशेष न्यायालय ने कड़ी सजा सुनाई है। न्यायाधीश देवेंद्र साहू ने आरोपी को दोषसिद्ध पाते हुए 20 साल के सश्रम कारावास और 6 हजार रुपए के अर्थदंड से दंडित किया है।

आरोपी ने नाबालिग को शादी का झांसा देकर ओडिशा के पुरी और कुनकुरी में बंधक बनाकर रखा था। मामला कोतरा रोड थाना क्षेत्र का है।

दुकान जाने के बहाने निकली थी किशोरी

दरअसल, 28 मई 2025 को पीड़िता के माता-पिता एक रिश्तेदार के अंतिम संस्कार में शामिल होने गए थे। घर पर 16 वर्षीय पीड़िता अपनी दादी के साथ थी। सुबह करीब 11:30 बजे वह दादी से 'दुकान जा रही हूं' कहकर निकली, लेकिन वापस नहीं लौटी। परिजनों की शिकायत पर पुलिस ने अपहरण का मामला दर्ज कर जांच शुरू की थी।

मोबाइल पर हुई थी दोस्ती, जशपुर का रहने वाला है आरोपी

पुलिस विवेचना में सामने आया कि, जशपुर जिले के पतराटोली (बागबहार) निवासी आरोपी करन डोम (24) की पीड़िता से जान-पहचान साल 2024 में एक अननोन नंबर के जरिए हुई थी। आरोपी ने उसे प्रेम जाल में फंसाया और शादी का वादा कर गेरवानी बुलाया। वहां से वह उसे बस में बैठाकर कुनकुरी और फिर ओडिशा के पुरी ले गया।

अभियोजन पक्ष के अनुसार, आरोपी ने नाबालिग को पुरी में एक मकान में रखा और 5 दिनों तक उसके साथ लगातार शारीरिक संबंध बनाए। इसके बाद वह उसे वापस कुनकुरी लेकर आया। 3 जुलाई 2025 को जब दोनों आरोपी के मामा के घर (ग्राम तेलाईन) पहुंचे, तब मामा ने ही पीड़िता के परिजनों को फोन कर सूचना दी।

अगले दिन पुलिस ने मौके पर पहुंचकर पीड़िता को बरामद किया और आरोपी को गिरफ्तार किया।

न्यायालय ने माना जघन्य अपराध

पॉक्सो न्यायालय के न्यायाधीश देवेंद्र साहू ने मामले की सुनवाई के दौरान पाया कि आरोपी ने पीड़िता के नाबालिग होने की जानकारी होने के बावजूद उसे बहला-फुसलाकर अगवा किया और उसकी गरिमा को ठेस पहुंचाई।

सजा: 20 साल का कठोर कारावास।
जुर्माना: 6,000 रुपए का अर्थदंड (अदा न करने पर अतिरिक्त कारावास)।
पैरवी: शासन की ओर से विशेष लोक अभियोजक गोविंद नारायण दुबे ने सशक्त पैरवी की।

मृत एसएसबी जवान के माता पिता से ठगी, आरोपी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

राजनांदगांव। एसएसबी के मृत जवान के माता-पिता से 11 लाख रुपए की ठगी करने वाले आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी से ठगी की रकम 1 लाख रुपए भी बरामद की गई है।

गैंदाटोला के हैदलकोड़ो में रहने वाले प्रार्थी कोमल सिंह साहू ने शिकायत दर्ज कराई थी कि उनका बेटा वरुण कुमार साहू जम्मू-कश्मीर में पदस्थ थे। वरुण की सड़क दुर्घटना में मौत हो गई। मौत के बाद वरुण को विभागीय वित्तीय सहायता मिलनी थी। जिसके लिए आरोपी योगराज साहू ने प्रयासरत होने की बात कही। वित्तीय सहायता की 19 लाख रुपए की राशि जवान के माता-पिता के खाते में पहुंची। इसके बाद आरोपी योगराज उनके 11 लाख रुपए विभागीय अफसरों को देने के नाम पर ठग लिए। मामले की शिकायत के बाद त्वरित कार्रवाई करते हुए बसंतपुर पुलिस ने आरोपी योगराज साहू गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है।

बीएसपी में नौकरी दिलाने के नाम पर 6 लाख ठगे

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। बीएसपी (भिलाई स्टील प्लांट) में स्थायी नौकरी दिलाने के नाम पर 6 लाख रुपए की धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। पुरानी भिलाई थाना क्षेत्र के एक युवक ने सैम्युअल सातुम उर्फ आदि गुज्जर नामक व्यक्ति पर यह आरोप लगाया है। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर धोखाधड़ी का केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पीड़ित दुर्गेश वर्मा ने पुलिस को बताया कि, वह वर्तमान में बीएसपी में निजी कंप्यूटर ऑपरेटर के तौर पर कार्यरत है। साल 2023 में उसकी मुलाकात एक परिचित के जरिए सैम्युअल सातुम उर्फ आदि गुज्जर से हुई थी। आरोपी ने खुद को बीएसपी के वरिष्ठ अधिकारियों का करीबी बताकर दुर्गेश को स्थायी नौकरी दिलाने का आश्वासन दिया।

आरोपी की बातों पर विश्वास कर दुर्गेश ने अपने मूल दस्तावेज उसे सौंप दिए। इनमें आधार कार्ड, पैन कार्ड, जाति प्रमाण पत्र और निवास प्रमाण पत्र जैसे महत्वपूर्ण कागजात शामिल थे। एक महीने बाद आरोपी ने दुर्गेश से कहा कि उसे सेल कॉर्पोरेट ऑफिस ले जाकर नियुक्ति पत्र दिलवाया जाएगा। इसके लिए आरोपी ने 6 लाख रुपए की मांग की।

दुर्गेश ने 5 अप्रैल 2023 को पहली किस्त के रूप में 3 लाख रुपए दिए। इसके बाद आरोपी 25 और 26 अप्रैल 2023 को गांव नंदौरी स्थित दुर्गेश के घर पहुंचा और बाकी 3 लाख रुपए भी ले लिए। पैसे लेने के बाद आरोपी लगातार नौकरी लगने का आश्वासन देता रहा।

दुर्गेश वर्मा का आरोप है कि, आरोपी ने उसे कई महीनों तक बीएसपी में स्थायी जॉइनिंग का झांसा दिया। हर बार उसे यह कहकर गुमराह किया जाता रहा कि एक-दो महीने में नौकरी लग जाएगी। पीड़ित ने जब आरोपी पर दबाव बनाया तो 10 मई 2025 को आरोपी ने केवल 1 लाख रुपए वापस किए। इसके बावजूद अब तक 5 लाख रुपए बाकी हैं। पीड़ित ने बताया कि दैनिक भास्कर में प्रकाशित खबर के जरिए उसे जानकारी मिली कि दुर्ग पुलिस ने नौकरी लगाने के नाम पर ठगी करने वाले सैम्युअल सातुम उर्फ आदि गुज्जर को गिरफ्तार किया है। इसके बाद उसने भी पुरानी भिलाई थाने पहुंचकर लिखित शिकायत दी।

पुरानी भिलाई थाना पुलिस ने आवेदन की जांच के बाद मामला सही पाए जाने पर आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 420 के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है। पुलिस अब आरोपी से पूछताछ कर अन्य संभावित पीड़ितों की जानकारी भी जुटा रही है।

दुर्ग पुलिस का कहना है कि सरकारी और सार्वजनिक उपक्रमों में नौकरी दिलाने के नाम पर रकम मांगने वालों से सतर्क रहने की जरूरत है। किसी भी नियुक्ति प्रक्रिया में सीधे पैसे मांगना संदेह का बड़ा आधार हो सकता है।

सरकारी ऑफिस से एसी यूनिट चुराने वाले गिरफ्तार

गार्ड के साथ मिलकर आदतन चोरों ने की थी वारदात, 6 आरोपियों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रायपुर के मौदहापारा थाना क्षेत्र में स्थित छत्तीसगढ़ भाड़ा नियंत्रण अधिकरण कार्यालय से एसी आउटडोर यूनिट चोरी मामले का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। रात्रि गश्त टीम की सतर्कता और तकनीकी जांच के आधार पर पुलिस ने गार्ड समेत 6 आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

आरोपियों के कब्जे से चोरी गई सभी 9एसी आउटडोर यूनिट और नगदी रकम बरामद कर ली गई है। गिरफ्तार आरोपियों का नाम अरविंद कुमार मुखर्जी, बशारत, मोहम्मद दानिश तंवर, दानिश खान, शाह हुसैन और हसीम बताया जा रहा है। आरोपियों पर आगे की कार्रवाई पुलिस कर रही है।

पुलिस के मुताबिक, कार्यालय परिसर से एसी यूनिट चोरी होने की सूचना मिलने के बाद तत्काल जांच शुरू की गई। पूछताछ में रात्रि गश्त अधिकारियों ने बताया कि घटना वाली रात कार्यालय के बाहर एक संदिग्ध ऑटो वाहन खड़ा मिला था।

वहां मौजूद लोगों ने खुद को गार्ड ड्यूटी और कार्यालयीन काम से जुड़ा बताकर पुलिस को गुमराह करने की कोशिश की थी। हालांकि गश्त टीम को उनकी गतिविधियां संदिग्ध लगीं, जिसके बाद लगातार निगरानी और तकनीकी जांच की गई।

जांच के दौरान कार्यालय में कार्यरत गार्ड से पूछताछ की गई तो पूरे मामले का खुलासा हो गया। पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपियों ने छुट्टी और सुनसान दिन का फायदा उठाकर चोरी की योजना बनाई थी।

10 मई 2026 को आरोपियों ने मिलकर कार्यालय परिसर में लगे 9एसी आउटडोर यूनिट निकालकर ई-रिक्शा में लोड किए और मंगल बाजार क्षेत्र में पुराने एसी खरीदने-बेचने वाले व्यक्ति को करीब 1.80 लाख रुपए में बेच दिया। बाद में रकम आपस में बांट ली गई।

पुलिस के अनुसार आरोपी अरविंद कुमार मुखर्जी उर्फ बंटी ने कार्यालय परिसर और भवन की जानकारी देकर चोरी की साजिश रची थी। वहीं बशारत हुसैन, मोहम्मद दानिश तंवर, दानिश खान और शाह हुसैन ने यूनिट निकालने, वाहन में लोड करने और बिक्री कराने में भूमिका निभाई। आरोपी हाशिम हुसैन उर्फ सोनू चोरी का माल खरीदने और छिपाने में शामिल था।

मौदहापारा थाना पुलिस ने सभी आरोपियों के खिलाफ बीएनएस की धारा 303(2), 317(2), 317(5) और 3(5) के तहत केस दर्ज किया है। पुलिस ने बताया कि आरोपियों से पूछताछ जारी है और मामले में अन्य कड़ियों की भी जांच की जा रही है।

मवेशी तस्करी करते आरोपी गिरफ्तार, पिकअप से 5 मवेशी बरामद

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। दुर्ग जिले में पुलिस ने अवैध पशु तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। देर रात पेण्ड्री चौक के पास पुलिस ने बोलेरो पिकअप में क्रूरतापूर्वक भरे गए 5 मवेशियों को बरामद किया। पुलिस ने वाहन ड्राइवर को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि उसके साथ मौजूद एक नाबालिग को भी पकड़ा गया है। मामला धमधा थाना क्षेत्र का है।

पुलिस ने वाहन समेत मवेशियों को जब्त कर केस दर्ज किया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान दुर्गेश घोरमारे (21) निवासी ग्राम चिचटोला, पोस्ट बड़गांव, थाना लांजी जिला बालाघाट (मध्यप्रदेश) के रूप में हुई है।

जानकारी के मुताबिक, 12 मई को धमधा पुलिस को सूचना मिली थी कि धमधा-गंडई मुख्य मार्ग से मवेशियों की अवैध तस्करी की जा रही है। पुलिस टीम ग्राम पेण्ड्री चौक के पास निगरानी कर रही थी। इसी दौरान सुबह करीब 3 बजे एक महिंद्रा बोलेरो मैक्स पिकअप गुजरता दिखाई दिया। पुलिस ने वाहन को रोकने का इशारा किया, लेकिन चालक ने वाहन तेज रफ्तार में भगाने की कोशिश की।

पुलिस ने घेराबंदी कर वाहन को रोका और जांच की। जांच के दौरान बोलेरो पिकअप के पीछे डाला में तालपतरी से ढंककर 5 मवेशियों को ठूंस-ठूंसकर भरा गया था। मवेशियों को बेहद खराब हालत में रखा गया था। पुलिस ने मौके पर ही वाहन चालक और उसके साथी से पूछताछ की। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि मवेशियों को बेरला क्षेत्र से लोड किया गया था। इसके बाद उन्हें लांजी होते हुए नागपुर के कत्लखाने ले जाया जा रहा था। पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तुरंत कार्रवाई की।

मध्यप्रदेश का रहने वाला है युवक

इस मामले में धमधा थाने में केस दर्ज किया गया है। आरोपियों के खिलाफ छत्तीसगढ़ कृषिक पशु परिरक्षण अधिनियम 2004 की धारा 4, 6 और 10 के साथ पशु क्रूरता अधिनियम की धारा 11 के तहत केस दर्ज किया गया है।

इस कार्रवाई के दौरान पुलिस ने महिंद्रा बोलेरो मैक्स पिकअप क्रमांक एमएच 35 एजे 4771, 5 मवेशी, तालपतरी और परिवहन में इस्तेमाल अन्य सामान जब्त किया है। गिरफ्तार आरोपी की दुर्गेश घोरमारे मध्यप्रदेश के बालाघाट का रहने वाला है।

बटालियन में बच्ची से अनाचार का प्रयास, जवान गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

राजनांदगांव। पेंड्री के 8वीं बटालियन में 12 साल की बच्ची से अनाचार का प्रयास हुआ है। हरकत को छग सशस्त्र बल के जवान श्रवण भारती ने अंजाम दिया है। शिकायत के बाद लालबाग पुलिस ने आरोपी जवान को गिरफ्तार कर लिया है।

घटना सोमवार रात की है। आरोपी जवान श्रवण भारती बटालियन के क्वाटर में रहता हैं। जहां रहने वाले एक जवान के परिवार ने उससे टीवी रिचार्ज करने कहा। परिवार ने अपने 12 साल की बच्ची को रिचार्ज का पैसे देने श्रवण भारती के कमरे में भेजा। जहां आरोपी ने बच्ची का मुंह दबाकर उससे अनाचार का प्रयास करने लगा।

जिसे बच्ची के साथ गई उसकी छोटी बहन ने देखा और शोर मचाया। इसके बाद रात में ही बटालियन परिसर में जमकर हंगामा हुआ। पुलिस को सूचना दी गई।

रात में ही पुलिस आरोपी श्रवण भारती को हिरासत में ले लिया। आरोपी के खिलाफ पाक्सो एक्ट सहित अन्य धाराओं के तहत कार्रवाई करते हुए उसे जेल भेज दिया गया है।

6 जुआरियों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

कोण्डागांव। रात के अंधेरे में खेत को जुए का अड्डा बनाकर ताश के 52 पत्तों पर हार-जीत का खेल चल रहा था। लेकिन मुखबिर की एक सटीक सूचना ने पूरी महफिल उजाड़ दी और धनोरा पुलिस ने मौके पर दबिश देकर 6 जुआरियों को धर दबोचा। कोण्डागांव जिले के धनोरा थाना क्षेत्र के ग्राम भाटगांव में मंगलवार 12 मई को पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए छत्तीसगढ़ जुआ अधिनियम 2022 की धारा 3 के तहत मामला दर्ज किया। पुलिस अधीक्षक आकाश श्रीमाल के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कपिल चन्द्रा के मार्गदर्शन और एसडीओपी केशकाल अरूण कुमार नेताम के पर्यवेक्षण में थाना प्रभारी धनोरा निरीक्षक भुनेश्वर नाग के नेतृत्व में क्षेत्र में आपराधिक गतिविधियों पर लगातार अभियान चलाया जा रहा है।

प्रमुख खबरें

हाथी के हमले में जान गंवाने वालों के परिजनों को राहत

सूरजपुर। महिला बाल विकास एवं समाज कल्याण मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े के निर्देशों पर जिला प्रशासन और वन विभाग ने तत्परता दिखाते हुए सूरजपुर जिला के कल्याणपुर में हाथी हमले के शिकार हुए हितग्राहियों के परिजनों को 50-50 हजार मुआवजा राशि का वितरण कर दिया है। मंत्री श्रीमती राजवाड़े घटना पर गहरा दु:ख व्यक्त करते हुए अधिकारियों को निर्देशित किया था कि पीड़ित परिवारों को बिना किसी विलंब के सहायता राशि उपलब्ध कराई जाए। सूरजपुर जिले के कल्याणपुर निवासी दो ग्रामीणों की हाथी हमले में मृत्यु होने के पश्चात, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग (सूरजपुर मंडल) द्वारा वित्तीय वर्ष 2026-27 के अंतर्गत त्वरित कार्रवाई की गई।

छत्तीसगढ़ के स्वास्थ्य विभाग ने अपनाया फौज वाला फार्मूला

अंतरराष्ट्रीय नर्स दिवस पर बढ़ा सम्मान, अब नर्सिंग अफसर कहलाएंगी छत्तीसगढ़ की नर्सें

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने अंतर्राष्ट्रीय नर्सेस दिवस पर राज्य की नर्सों के सम्मान में नर्सिंग संवर्ग के पदनाम परिवर्तन की बड़ी घोषणा की है। इस घोषणा के अनुसार नर्सिंग सिस्टर अब सीनियर नर्सिंग ऑफिसर कहलाएंगी जबकि स्टाफ नर्स का नाम नर्सिंग ऑफिसर होगा।

डॉ. भीमराव अम्बेडकर स्मृति चिकित्सालय रायपुर में अंतर्राष्ट्रीय नर्सेस दिवस के अवसर पर विशेष कार्यक्रम के अवसर पर स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने ये घोषणा की है। इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में नर्सिंग अधिकारी व नर्सिंग छात्र-छात्राओं के साथ अस्पताल के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारियों ने भाग लिया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि मरीजों की सेवा में नर्सों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। नर्सें स्वास्थ्य व्यवस्था की रीढ़ हैं, जो दिन-रात समर्पण भाव से मरीजों की देखभाल कर उन्हें नया जीवन देने का कार्य करती हैं। उन्होंने कहा कि चिकित्सा सेवा में मानवीय संवेदनाओं और सेवा भाव का सबसे बड़ा उदाहरण नर्सिंग स्टाफ प्रस्तुत करता है।

उन्होंने कोविड काल में नर्सिंग स्टाफ की सेवाओं को याद करते हुए कहा कि कठिन परिस्थितियों में भी नर्सों ने समर्पण और सेवा भाव के साथ कार्य किया। चिकित्सा सेवा में नर्स माँ के समान होती है। उनका दर्जा माँ के समान उच्च है क्योंकि वे मरीजों की देखभाल परिवार की तरह करती हैं।

स्वास्थ्य मंत्री ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि राज्य सरकार स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

वर्षों से लंबित कई सुविधाओं और व्यवस्थाओं को पूरा किया जा रहा है। इस मौके पर स्वास्थ्य मंत्री ने सीनियर नर्सिंग ऑफिसर डॉ. रीना राजपूत, नीलिमा शर्मा, रंजना सिंह ठाकुर, सुमन देवांगन, कोमेश्वरी नवरंगे, प्रगति सतपुते, शीतल सोनी और नमिता डेनियल सहित पूरे नर्सिंग ऑफिसर को बधाई देते हुए उनके कार्यों की सराहना की।

बुजुर्ग दंपती को मिली आयुष्मान वय वंदन कार्ड, पांच लाख तक इलाज की सुविधा

श्रीकंचनपथ समाचार

बैकुण्ठपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के सुशासन तिहार के अंतर्गत आयोजित जनसमस्या निवारण शिविर बुजुर्गों के लिए राहत और सम्मान का माध्यम बनते जा रहे हैं। बैकुण्ठपुर जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम बचरा में मंगलवार को आयोजित शिविर में बुजुर्ग दंपत्ति श्री जय मंगल सिंह एवं श्रीमती जीरो बाई को आयुष्मान वय वंदन कार्ड प्रदान किया गया। साथ ही उन्हें बुढ़ापे में सहारे के लिए छड़ी भी उपलब्ध कराई गई।

करीब 80 वर्षीय जय मंगल सिंह और लगभग 72 वर्षीय श्रीमती जीरो बाई ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि जनसमस्या निवारण शिविर में आना उनके लिए बेहद सुखद अनुभव रहा। उन्होंने बताया कि आयुष्मान वय वंदन कार्ड मिलने से अब उन्हें इलाज के लिए भटकना नहीं पड़ेगा और आवश्यकता पड़ने पर 5 लाख रुपये तक का नि:शुल्क उपचार मिल सकेगा।

बुजुर्ग दंपत्ति ने कहा कि शासन की योजनाओं का लाभ यदि सहजता और सरलता से आम लोगों तक पहुंचे, तो यही वास्तविक सुशासन है। उन्होंने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सरकार ने बुजुर्गों और गरीबों के स्वास्थ्य की चिंता करते हुए उन्हें स्वास्थ्य सुरक्षा के साथ.साथ सहारे के लिए छड़ी भी प्रदान की हैए जो इस उम्र में उनके लिए बड़ी मदद साबित होगी।

सामाजिक समावेश : छत्तीसगढ़ में 8 ट्रांसजेंडर बने आरक्षक

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य ने सामाजिक समावेशन और समान अवसर की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि दर्ज की है। राज्य में 8 ट्रांसजेंडर उम्मीदवारों का चयन पुलिस आरक्षक पद पर हुआ है। यह सफलता वर्ष 2024 की भर्ती प्रक्रिया तथा 2025 में आयोजित शारीरिक दक्षता एवं लिखित परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर मिली है।

चयनित उम्मीदवारों में भूमि मानिकपुरी, खुशी ध्रुव, संजना ध्रुव, रानू यादव, पवित्रा चंद्रवंशी, लक्ष्मी साहू, अप्सरा जायसवाल और सुभी यादव शामिल हैं। ये उम्मीदवार रायपुर, बेमेतरा, जांजगीर-चांपा और कांकेर सहित विभिन्न जिलों से हैं।

सामाजिक चुनौतियों, अस्वीकार्यता और अनेक व्यक्तिगत संघर्षों के बावजूद इन सभी ने अपने आत्मविश्वास और मेहनत के दम पर यह मुकाम हासिल किया।

यह उपलब्धि केवल रोजगार प्राप्ति तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज में ट्रांसजेंडर समुदाय की बढ़ती भागीदारी, सम्मान और स्वीकार्यता का सशक्त संदेश भी देती है। पुलिस विभाग जैसे जिम्मेदार क्षेत्र में उनकी नियुक्ति राज्य में समान अवसर आधारित शासन व्यवस्था को और मजबूत करेगी।

इस सफलता में समाज कल्याण विभाग, छत्तीसगढ़ शासन की महत्वपूर्ण भूमिका रही। विभाग द्वारा उम्मीदवारों को प्रशिक्षण, आवागमन सुविधा तथा अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं उपलब्ध कराई गईं, जिससे उन्हें भर्ती प्रक्रिया की तैयारी में निरंतर सहयोग मिला।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार समाज के प्रत्येक वर्ग को मुख्यधारा से जोड़ने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। ट्रांसजेंडर समुदाय को शिक्षा, कौशल विकास, रोजगार और सम्मानजनक अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में यह चयन एक प्रेरणादायी कदम माना जा रहा है।

यह सफलता आने वाले समय में अनेक ट्रांसजेंडर युवाओं के लिए प्रेरणा बनेगी और यह संदेश देगी कि प्रतिभा, परिश्रम और अवसर मिल जाएं तो कोई भी सपना असंभव नहीं होता।

आंगनबाड़ी के बच्चों ने खेल-खेल में सीखा पानी का मोल

- 'तितली' संस्था की पहल से 126 आंगनबाड़ी केंद्रों में जागरूकता अभियान

जगदलपुर। भीषण गर्मी के बीच बस्तर जिले के आंगनबाड़ी केंद्रों में नौनिहालों ने जल संरक्षण और स्वस्थ जीवनशैली का ऐसा संदेश दिया, जो समाज के लिए प्रेरणादायी बन गया है।

जिले के 126 आंगनबाड़ी केंद्रों में 'तितली' संस्था के सहयोग से आयोजित विशेष गतिविधियों के माध्यम से बच्चों को पानी के महत्व, स्वास्थ्य सुरक्षा और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक किया गया। सभी बच्चों ने बेहद रुचि के साथ इसमें हिस्सा लिया और ढेर सारी बातें भी कीं।

इस अभिनव पहल में बच्चों को पारंपरिक तरीके से समझाने के बजाय खेल, संवाद और रचनात्मक गतिविधियों के जरिए यह बताया गया कि गर्मी के मौसम में शरीर को स्वस्थ और ऊर्जावान बनाए रखने के लिए पर्याप्त पानी पीना कितना जरूरी है।

बच्चों ने उत्साहपूर्वक सीखा कि पानी केवल प्यास बुझाने का माध्यम नहीं, बल्कि जीवन का आधार है। उन्होंने जाना कि शरीर में पानी कम हो जाने पर किस किस प्रकार की परेशानियां खड़ी हो सकती हैं।

कार्यक्रम की खास बात यह रही कि नन्हें बच्चों को छोटी उम्र में ही सामाजिक जिम्मेदारी और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण का संदेश दिया गया। बच्चों ने जाना कि जल प्रकृति का अमूल्य उपहार है और इसकी हर बूंद को बचाना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। आंगनबाड़ी केंद्रों में आयोजित इन गतिविधियों ने यह भी साबित किया कि यदि बच्चों को सही उम्र में सही संस्कार और व्यवहारिक शिक्षा मिले, तो वे भविष्य में जागरूक और जिम्मेदार नागरिक बन सकते हैं।

कार्यक्रम के अंत में बच्चों ने एक स्वर में 'पानी बचाओ, स्वस्थ जीवन अपनाओ' का संकल्प लेकर समाज को जल संरक्षण का संदेश दिया।

यह पहल न केवल बच्चों के स्वास्थ्य जागरूकता अभियान का हिस्सा बनी, बल्कि पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक सहभागिता की दिशा में भी एक सकारात्मक उदाहरण के रूप में सामने आई है।

ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के लिए शासन ने कलेक्टरों को लिखा पत्र

रायपुर। राज्य शासन ने सभी कलेक्टरों को केन्द्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा अधिसूचित ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2026 का क्रियान्वयन सभी नगरीय निकायों में सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग ने मंत्रालय से परिपत्र जारी कर कलेक्टरों को स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) 2.0 के अन्तर्गत परियोजनाओं के क्रियान्वयन के लिए गठित जिला स्तरीय समिति के अध्यक्ष होने के नाते इस संबंध में आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने को कहा है। नगरीय प्रशासन विभाग ने कलेक्टरों को अपने जिले के सभी नगर निगमों के आयुक्तों तथा नगर पालिकाओं एवं नगर पंचायतों के मुख्य नगर पालिका अधिकारियों व अन्य संबंधित अधिकारियों की बैठक लेकर ठोस अपशिष्ट प्रबंधन की वर्तमान स्थिति के सूक्ष्म आकलन के निर्देश दिए हैं। यह भी सुनिश्चित किया जाए कि इसके लिए संसाधनों की कमी न हो।

नशामुक्ति के लिए मुख्य सचिव बोरा ने दिए सुझाव नशा छोड़ चुके लोगों को आगे रखकर चलाएं अभियान

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। जिले के प्रभारी सचिव एवं प्रमुख सचिव सोनमणि बोरा की अध्यक्षता में आज लोक निर्माण विभाग के सभाकक्ष में नारकोटिक्स नियंत्रण एवं नशामुक्ति अभियान के संबंध में बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले में मादक पदार्थों की रोकथाम, नशामुक्ति केंद्रों की व्यवस्थाओं तथा संबंधित विभागों द्वारा की जा रही कार्यवाहियों की समीक्षा की गई। बैठक में कलेक्टर अभिजीत सिंह सहित विभागीय अधिकारी मौजूद रहे।

प्रभारी सचिव श्री बोरा ने कहा कि नशे की लत से मुक्त हो चुके हितग्राहियों की सफलताओं को जन-जन तक पहुंचाने के लिए व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए, ताकि समाज में सकारात्मक संदेश पहुंचे और अन्य लोग भी नशा छोड़ने के लिए प्रेरित हों। इसके लिए उन्होंने छोटे-छोटे वीडियो एवं क्लिप्स तैयार कर जागरूकता अभियान चलाने के निर्देश दिए।

प्रभारी सचिव ने नशा मुक्ति अभियान को प्रभावी बनाने के लिए समाज कल्याण विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग तथा स्वास्थ्य विभाग को आपसी समन्वय बनाकर संयुक्त समिति गठित करने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि नशामुक्ति केंद्रों में तीन माह तक रखे जाने की अवधि को बढ़ाने पर विचार किया जाए साथ ही आयु वर्ग के अनुसार हितग्राहियों को पृथक रखने की व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा।

बैठक में पुलिस अधीक्षक श्री विजय अग्रवाल ने बताया कि वर्ष 2026 में एनडीपीएस एक्ट एवं नारकोटिक्स एक्ट के तहत कुल 68 प्रकरण दर्ज किए गए हैं। इन मामलों में गांजा, गांजा पौधा, हेरोइन, नशीली दवाइयां, अफीम, अफीम के बीज तथा डोडा से संबंधित जब्ती की गई है, जिसकी अनुमानित कीमत 9 लाख 25 हजार रुपए है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2026 में पीआईटी एनडीपीएस के तहत 9 प्रकरण तैयार किए गए हैं तथा 36 वाहनों की नीलामी भी कराई गई है।

उल्लेखनीय है कि दुर्ग जिले में जनवरी से अप्रैल 2026 तक स्वापक एवं मन: प्रभावी औषधियों की रोकथाम को लेकर व्यापक स्तर पर कार्यवाही की गई। खाद्य एवं औषधि अधिकारी ने बताया कि इस अवधि में कुल 715 निरीक्षण किए गए। निरीक्षण के दौरान अनियमितता पाए जाने पर 32 नोटिस जारी किए गए।

वहीं नार्कोटिक्स दवाइयों के रिकॉर्ड में गड़बड़ी मिलने पर 4 मेडिकल स्टोर्स के खिलाफ कार्रवाई की गई। इसके अलावा पुलिस एवं संबंधित विभागों द्वारा संयुक्त रूप से 11 कार्रवाई भी की गई हैं।

प्रभारी सचिव श्री बोरा ने स्वापक एवं मन: प्रभावी औषधियों के विक्रय एवं वितरण पर कड़ी निगरानी रखने को कहा।

सुशासन तिहार

जनसमस्या निवारण शिविर में गोरेलाल बरेठ को तत्काल मिली किसान किताब, दूर हुई आशंकाएं

श्रीकंचनपथ समाचार

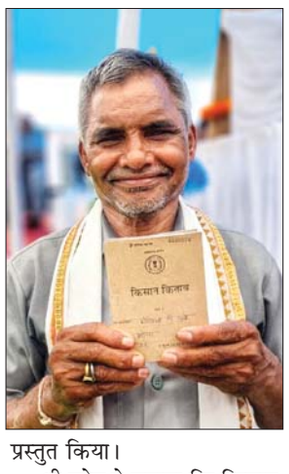

जांजगीर-चांपा। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के निर्देशानुसार आयोजित सुशासन तिहार 2026 आम नागरिकों की समस्याओं के त्वरित समाधान का प्रभावी माध्यम बनता जा रहा है। ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में आयोजित जनसमस्या निवारण शिविरों में प्राप्त आवेदनों का मौके पर ही निराकरण कर लोगों को तत्काल राहत प्रदान की जा रही है।

इसी क्रम में जांजगीर-चांपा जिले के जनपद पंचायत नवागढ़ अंतर्गत ग्राम भड़ेसर में आयोजित जनसमस्या निवारण शिविर में ग्राम भड़ेसर निवासी गोरेलाल बरेठ अपनी समस्या लेकर पहुंचे। उन्होंने किसान किताब नहीं होने की जानकारी देते हुए आवेदन प्रस्तुत किया।

श्री बरेठ ने बताया कि किसान किताब के अभाव में उन्हें कृषि ऋण, खाद-बीज वितरण तथा किसानों के लिए संचालित विभिन्न शासकीय योजनाओं का लाभ लेने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था। आवेदन प्राप्त होते ही संबंधित विभाग के अधिकारियों ने मामले को गंभीरता से लेते हुए आवश्यक प्रक्रिया पूरी की और उन्हें मौके पर ही किसान किताब प्रदान कर दी।

किसान किताब मिलने पर गोरेलाल बरेठ ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि अब उन्हें खेती-किसानी के कार्यों में सुविधा होगी और शासन की योजनाओं का लाभ आसानी से मिल सकेगा।

उन्होंने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय एवं जिला प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सुशासन तिहार आम लोगों की समस्याओं के समाधान का एक सार्थक और जनहितकारी अभियान साबित हो रहा है।

मुख्य सचिव ने किया बच्चों से संवाद, अनुशासित परिश्रम, तप और त्याग से ही मिलती है सफलता

- प्रमुख सचिव ने पीएम श्री सेजस विद्यालय कुम्हारी का किया निरीक्षण

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। आदिम जाति, अनुसूचित जाति एवं पिछड़ा वर्ग तथा अल्पसंख्यक विकास विभाग के प्रमुख सचिव और दुर्ग जिले के प्रभारी सचिव सोनमणि वोरा ने आज दुर्ग जिले के कुम्हारी स्थित पीएम श्री विद्यालय का निरीक्षण किया। उन्होंने निरीक्षण के दौरान विद्यालय के सभी विभागों का बारीकी से अवलोकन किया।

श्री बोरा ने विद्यालय की लाइब्रेरी, विज्ञान प्रयोगशाला, अटल लैब, स्पोर्ट्स रूम सहित सभी कक्षाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने प्राथमिक विभाग में संचालित जादुई पिटारा गतिविधियों तथा मिडिल विभाग में स्मार्ट क्लास के माध्यम से कराए जा रहे शिक्षण कार्य को देखकर प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने विद्यार्थियों से सहजता के साथ चर्चा कर पढ़ाई-लिखाई एवं खेलकूद की जानकारी ली। इस मौके पर कलेक्टर अभिजीत सिंह उपस्थित थे।

प्रमुख सचिव श्री बोरा ने विद्यार्थियों से चर्चा में कहा कि अनुशासित परिश्रम, तप और त्याग से सफलता मिलती है। उन्होंने पीएमश्री विद्यालय निरीक्षण के दौरान बच्चों के समक्ष विद्यार्थी और अभ्यर्थी भी बने। उन्होंने इस दौरान विद्यालय के उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम एवं विद्यार्थियों की उपलब्धियों की सराहना की तथा सभी कक्षाओं के टॉपर विद्यार्थियों से मुलाकात कर उन्हें सम्मानित भी किया।

प्रमुख सचिव श्री बोरा और कलेक्टर श्री सिंह ने विद्यार्थियों को जीवन में लक्ष्य बनाकर कार्य करने हेतु प्रेरित किया और यह भी पूछा कि वे जीवन में क्या बनेंगे। यह पूछने पर टॉपर्स ने सी.ए., साइबर इंजीनियर, कलेक्टर बनने की इच्छा जाहिर की। अधिकारियों ने विद्यार्थियों को उज्ज्वल भविष्य हेतु शुभकामनाएं देते हुए शिक्षकों के प्रयासों की प्रशंसा की तथा विद्यालय की शैक्षणिक एवं सह-शैक्षणिक गतिविधियों को सराहनीय बताया।

सम्मानित विद्यार्थियों में कक्षा 12वीं की छात्रा रिया साहू जिन्होंने राज्य स्तर पर चतुर्थ स्थान प्राप्त की है। वहीं कक्षा 10वीं की छात्रा साक्षी देवांगन ने जिला स्तर पर आठवां स्थान अर्जित की है। कक्षा 8वीं में पायल रजानी एवं नैतिक आमटे ने संकुल स्तर पर प्रथम एवं द्वितीय स्थान हासिल की है। इसी प्रकार कक्षा 5वीं की छात्रा शिवानी पटेल प्रथम स्थान पर रही, जबकि भव्या साहू एवं रूपाली साहू ने द्वितीय स्थान प्राप्त कर विद्यालय का गौरव बढ़ाया।

लोक अदालत में रिकॉर्ड; एक ही दिन में 18,548 प्रकरणों का समाधान

एमसीबी। शनिवार को जिला कोरिया एवं एमसीबी में आयोजित राष्ट्रीय लोक अदालत ने त्वरित, सुलभ और जनोन्मुख न्याय की मिसाल पेश करते हुए रिकॉर्ड स्तर पर प्रकरणों का निराकरण किया। बैकुंठपुर एवं मनेन्द्रगढ़ में कुल 3577 न्यायालयीन प्रकरण आपसी राजीनामा के लिए रखे गए थे, जिनमें से 3159 मामलों का सफलतापूर्वक समझौते के आधार पर समाधान किया गया। इसी तरह बैंक, नगरपालिका, दूरसंचार, राजस्व एवं अन्य विभागों से जुड़े कुल 18,379 प्री-लिटिगेशन प्रकरण राष्ट्रीय लोक अदालत में प्रस्तुत किए गए, जिनमें से 15,389 मामलों का निराकरण किया गया। दोनों जिलों में कुल 21,956 प्रकरण लोक अदालत में रखे गए, जिनमें से 18,548 मामलों का सफल समाधान किया गया। इस दौरान कुल 75 लाख 03 हजार 821 रुपये की राशि का सेटलमेंट कराया गया, जो एक ऐतिहासिक उपलब्धि है।

सुखंती मझवार को शिविर में तत्काल मिला राशन कार्ड, अब पेट भर भोजन कर सकेंगे बच्चे

श्रीकंचनपथ समाचार

मैनपाट। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की पहल पर आयोजित सुशासन तिहार 2026 आम नागरिकों की समस्याओं के त्वरित समाधान का प्रभावी माध्यम बन रहा है। राज्यभर में आयोजित जन समस्या निवारण शिविरों में लोगों की मांगों का न केवल पंजीयन किया जा रहा है, बल्कि पात्र हितग्राहियों को मौके पर ही योजनाओं का लाभ भी प्रदान किया जा रहा है। इसी क्रम में सरगुजा जिले के मैनपाट विकासखंड के ग्राम परपटिया में आयोजित शिविर ने एक जरूरतमंद परिवार की वर्षों पुरानी चिंता दूर कर दी।

ग्राम परपटिया निवासी सुखंती मझवार तीन छोटे बच्चों की मां हैं। परिवार की आजीविका का एकमात्र सहारा मजदूरी है।

आर्थिक रूप से कमजोर होने के कारण उनके पास राशन कार्ड नहीं था, जिससे उन्हें सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत मिलने वाले सस्ते खाद्यान्न और अन्य शासकीय योजनाओं का लाभ नहीं मिल पा रहा था। बाजार से महंगे दामों पर राशन खरीदना उनके लिए कठिन था।

सुशासन तिहार के तहत आयोजित शिविर में सुखंती मझवार ने अपनी समस्या अधिकारियों के समक्ष रखी। प्रशासन ने तत्परता दिखाते हुए पात्रता की जांच की और आवश्यक प्रक्रिया पूर्ण कर मौके पर ही उनका राशन कार्ड जारी कर दिया। राशन कार्ड प्राप्त होते ही सुखंती के चेहरे पर खुशी झलक उठी।

सुखंती ने भावुक होकर कहा कि राशन कार्ड नहीं होने से बच्चों के लिए दो वक्त की रोटी जुटाना भी मुश्किल हो जाता था। अब राशन कार्ड मिलने से परिवार को नियमित रूप से सस्ती दर पर खाद्यान्न उपलब्ध होगा। उन्होंने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय और जिला प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया।

सुशासन तिहार का उद्देश्य शासन की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना और आम नागरिकों को दफ्तरों के चक्कर से राहत दिलाना है। शिविरों में राशन कार्ड, पेंशन, आयुष्मान कार्ड, राजस्व प्रकरण सहित विभिन्न समस्याओं का त्वरित निराकरण किया जा रहा है। सुखंती मझवार जैसी अनेक हितग्राहियों के लिए सुशासन तिहार उम्मीद, राहत और विश्वास का माध्यम बनकर सामने आया है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950